जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, शनिवार 8 नवम्बर, 2025

अशुद्ध के विरुद्ध
आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

राजस्थान का सबसे तीखा मिर्च पाउडर

50,000+ SHU (तीखापन)

लाल मिर्च पाउडर

- तीखेपन के लिए गुंटूर की तेजा मिर्च
- स्वाद के लिए नमकीन में डालने वाली लौंगी मिर्च
- लाल रंग के लिए कश्मीरी बेडगी मिर्च

250 g | MRP: ₹ 150

FIXED PRICE

ORDER NOW:

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- काला चना
- हरा चना
- काबुली चना
- हरा मूंग
- हरा मटर
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- मूंग दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मोठ
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

COMING SOON: चावल । पोहा । कुकिंग ऑयल । खड़े मसाले । चाय

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP

एक्सप्रेस डिलीवरी सिर्फ एक कॉल पर

1800 120 2727

T&C Apply.

नजदीकी रिटेल स्टोर पर उपलब्ध !

विचार बिन्दु

उत्साह से बढ़कर कोई दूसरा बल नहीं है, उत्साही मनुष्य के लिए संसार में कोई भी वस्तु दुर्लभ नहीं है। –वाल्मीकि

निर्यात में राजस्थान की लंबी छलांग

राजस्थान ने वर्ष 2024–25 में 16.09 प्रतिशत विकास दर के साथ निर्यात के क्षेत्र में भी लंबी छलांग लगाई है। 2023–24 में प्रदेश से 83704 करोड़ 24 लाख रुपए के उत्पादों का विदेशों में निर्यात हुआ था। इसकी तुलना में 2024–25 में प्रदेश से 97171 करोड़ 68 लाख रुपये के उत्पादों का विदेशों में निर्यात हुआ है। निर्यात क्षेत्र में सर्वाधिक 57.09 प्रतिशत की विकास दर जेम एवं ज्वैलरी क्षेत्र में रही है। इसके बाद इलेक्ट्रोनिक्स और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर क्षेत्र में 25 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी रही है। इंजीनियरिंग सेक्टर में 19.63 प्रतिशत और एग्रो और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में 10.92 प्रतिशत की तो माइनिंग क्षेत्र में 10.45 प्रतिशत की विकास दर के साथ उल्लेखनीय निर्यात हुआ है। राजस्थान द्वारा 17 सेक्टरों के उत्पादों का विदेशों में निर्यात किया जाता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में निर्यात के क्षेत्र में यह बडी सफलता मानी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उद्योग एवं वाणिज्यमंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह के योजनावद्ध प्रयासों का ही परिणाम रहा है कि राजस्थान ने निर्यात के क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। केन्द्र सरकार द्वारा चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के जारी निर्यात आंकड़ें भी इस मायने में उत्साहित करने वाले हैं कि आलोच्य अवधि के गत वर्ष की तुलना में अप्रेल–जून 25 में भी 14.37 फीसदी विकास दर के साथ 25212 करोड़ से अधिक का निर्यात राजस्थान से हुआ है।

राजस्थान से टैक्सटाइल, एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग, जेम एवं ज्वैलरी, इंजीनियरिंग, फेरियस और नान फेरियस मेटल, डायमेंशनल स्टोनों में मार्बल, ग्रेनाइट और इनसे तैयार डेकोरेटिव उत्पाद, मिनरल फ्यूल्स आदि, इलेक्ट्रोनिक व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर, वूल और वूलन उत्पाद, केमिकल और इसके सहउत्पाद, दवा एवं फार्मास्यूटिकल, प्लास्टिक और लिनोलियम्स, हैण्डीक्राफ्ट, लेदर एवं सहउत्पाद, रेडिमेड गारमेंट्स, कारपेट दरियां आदि व अन्य उत्पादों का प्रमुखता से निर्यात होता है। 2024–24 के दौरान जेम एवं ज्वैलरी के क्षेत्र में सर्वाधिक 57.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह से इलेक्ट्रोनिक और कम्प्यूटर साफ्टवेयर क्षेत्र में भी 25.21 फीसदी की अच्छी खासी विकास दर रही है। इंजीनियरिंग, एग्रो व फूड प्रोसेसिंग और माइनिंग सेथ्टर में भी 10 प्रतिशत से अधिक की विकास दर के साथ निर्यात में बढ़ोतरी हुई है।

दरअसल राज्य सरकार की निर्यातोन्मुखी नीति और निर्यातकों को मार्गदर्शन, तकनीकी, आर्थिक और नीतिगत सहयोग का ही परिणाम रहा है कि राजस्थानी उत्पादों की विदेशों में मांग बढ़ी है तो निर्यातक भी प्रोत्साहित हुए हैं। राज्य सरकार ने कार्यभार संभालने के पहले साल में ही एक्सपोर्ट प्रमोशन पालिसी 2024, राजस्थान ओद्यौगिक प्रोत्साहन नीति रिप्स 2024, केन्द्र व राज्य सरकार की एक जिला एक उत्पाद नीति, एमएसएमई नीति 2024 से प्रदेश में निर्यात का माहौल बना है। इसके साथ ही सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट की देश-विदेश में आक्रामक मार्केटिंग और फिर जयपुर में सफल आयोजन से भी निर्यात को पंख लगे हैं।

दरअसल राज्य सरकार की निर्यातोन्मुखी नीति और निर्यातकों को मार्गदर्शन, तकनीकी, आर्थिक और नीतिगत सहयोग का ही परिणाम रहा है कि राजस्थानी उत्पादों की विदेशों में मांग बढ़ी है तो निर्यातक भी प्रोत्साहित हुए हैं। राज्य सरकार ने कार्यभार संभालने के पहले साल में ही एक्सपोर्ट प्रमोशन पालिसी 2024, राजस्थान ओद्यौगिक प्रोत्साहन नीति रिप्स 2024, केन्द्र व राज्य सरकार की एक जिला एक उत्पाद नीति, एमएसएमई नीति 2024 से प्रदेश में निर्यात का माहौल बना है। इसके साथ ही सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट की देश–विदेश में आक्रामक मार्केटिंग और फिर जयपुर में सफल आयोजन से भी निर्यात को पंख लगे हैं। निर्यात से बहुमुखी विकास की इबारत लिखी जाती है। एक तो विदेशों में प्रदेश की उत्पादों की मांग बढ़ती है, उत्पादों को विश्वव्यापी पहचान मिलती है वहीं स्थानीय स्तर पर औद्योगिक निवेश और औद्योगिक विकास, उत्पादन की गुणवत्ता के साथ ही युवा निर्यातकों को प्रोत्साहन मिलता है। स्थानीय स्तर पर कौशल विकास के साथ ही रोजगार के नए अवसर विकसित होते हैं। इन सबके साथ ही विदेशी पूंजी आती है।

अमेरिका की टैरिफ नीति और विदेशों में निर्यात की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद राजस्थान के समग्र प्रयासों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। राजस्थान सरकार अगले माह 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थान दिवस भी मनाने जा रही है। ऐसे में प्रवासी राजस्थानियों खासतौर से विदेशों में रह रहे राजस्थानी प्रवासियों के राजस्थान की धरा से जुड़ाव से निश्चित रुप से प्रदेश के युवा निर्यातकों, स्टार्टअप्स को संवाद और समन्वय का अवसर प्राप्त हो सकेगा अपितु युवा उद्यमियों को निर्यात में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं, विदेशी धरती पर मांग और अंतरराष्ट्रीय मानकों से रुबरु होने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा राजस्थान निर्यात संवर्द्धन परिषद को भी और अधिक एग्रेसिव रणनीति बनाते हुए युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ओरयिंटेशन, अवेयरनेस, वर्कशॉप, सेमिनार आदि आदि कार्यक्रमों की सीरिज बनानी होगी ताकि निर्यात को और अधिक बढ़ावा दिया जा सके। युवा उद्यमियों के प्रोत्साहन से और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकेंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 8 नवम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 10:02 तक, शिव योग सायं 6:32 तक, विष्टि करण प्रातः 7:33 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:14 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–तुला, चन्द्रमा–वृष, मंगल–वृश्चिक, बुध–वृश्चिक, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज भद्रा प्रातः 7:33 तक है। आज चतुर्थी तिथि का क्षय हुआ है। आज सौभाग्य सुंदरी व्रत, चतुर्थी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 8:06 से 9:28 तक, चर 12:11 से 1:32 तक, लाभ–अमृत 1:32 से 4:15 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:45, सूर्यास्त 5:36 तक

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

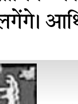

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

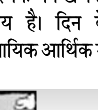

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। धन हानि का भय है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

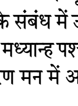

कर्क
संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

तुला
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

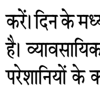

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि होगी। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव रहेगा।

धनु
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

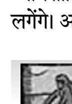

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

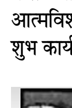

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सफलता से मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

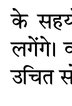

मीन
परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकत है।

डेढ़ सौ वर्ष से झर रहा है समरसता और आत्मीयता का महाप्रपात

भारत के कण-कण और जन-जन को एक सूत्र में बांधता है ''वंदे मातरम्''

आकांक्षा पालावत

दिल को सुकून देने वाले और दिमाग को राष्ट्रीयता की तरंगों में नहला देने का सामर्थ्य रखने वाले गीत वन्दे मातरम... की उम्र भले ही आज 150 वर्ष की हो गई हो, पर इसकी धड़कन आज भी उतनी ही जीवंत रहकर हर किसी में स्पन्दन जगाने और तरंगायित करने में अहम् है। वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि वह अखूट अजस्त्र भावधारा है जो भारत के कण–कण और जन–जन को एक सूत्र में बाँधती है। यह सिर्फ एक विचार नहीं था, बल्कि उत्प्रेरक शब्दों की एक जबर्दस्त क्रांति थी, जिसने सोए हुए राष्ट्र को जाग्रत कर ऊर्जावान किया।

इस गीत के शिल्पकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के जीवन और उनकी उस चेतना को पहचानना, दरअसल स्वयं भारत की आत्मा को पहचानने के समान है। उनके शब्दों ने जिस भावना को जन्म दिया, वह आज भी हर तिरंगे की लहर में, हर भारतीय के हृदय में और हर नई सुबह के संकल्प में स्पंदित होती है। सन 1875, भारतीय नवजागरण का वह काल, जब भारत माता अंग्रेज़ी शासन की बेड़ियों में जकड़ी थी। निराशा और पराधीनता के घनघोर अंधकार में एक दीपक प्रज्वलित हुआ, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के रूप में। उन्होंने शब्दों को साधना बनाया और अपनी लेखनी से भारत की मौन आत्मा को स्वर दिया। उनकी रचना वंदे मातरम् वह दिव्य जागरण मन्त्र बनी, जिसने गुलामी के युग में स्वाधीनता की लौ जलाई और आज भी राष्ट्र के हृदय में श्रद्धा, स्वाभिमान और ऊर्जा का स्त्रोत बनी हुई है।

वह कलम जो शासन की नहीं, युग की आवाज़ बनी : 26 जून 1838 को बंगाल के 24 परगना ज़िले के कांठलपाड़ा गाँव में जन्मे बंकिमचंद्र के पिता यदुभूषण चट्टोपाध्याय ब्रिटिश शासन में डिप्टी कलेक्टर थे। विलक्षण मेधा–प्रज्ञा सम्पन्न बालक बंकिम ने आरंभ से ही असाधारण प्रतिभा दिखाई। 1858 में उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी.ए. की उपाधि प्राप्त की। यह वही कालखण्ड था जब 1857 का संग्राम अपने अंत की ओर था, पर भारत के मन में उसकी चिनगारी अभी दहक रही थी। अंग्रेज़ी शिक्षा के बावजूद उनका मन भारतीय संस्कृति और परंपराओं से अनुप्राणित था। सरकारी सेवा में रहते हुए भी उन्होंने लेखनी को समाज–जागरण का माध्यम बनाया, वह कलम जो शासन की नहीं, युगीन चेतना जगाने वाली आवाज़ बनी।

साहित्यिक साधना और देशज चेतना : बंकिमचंद्र ने साहित्य को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज–चेतना और लोक जागरण का साधन बनाया। उनकी 'दुर्गेशनंदिनी', 'कपालकुंडला', 'विशवृक्ष' और 'आनंदमठ' जैसी कृतियों ने नारी, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता को नया जीवन दिया।

उनका उपन्यास 'आनंदमठ' मात्र एक कथा नहीं था; वह एक घोष था, एक ऐसे भारत का स्वप्न, जो भय और दासता से मुक्त हो। इसी में उन्होंने वह गीत रचा–वंदे मातरम्, जो मातृभूमि की आराधना का प्रतीक बन गया और स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा में समाहित हो गया।

वंदे मातरम् : एक गीत, एक आन्दोलन, एक आत्मा

संस्कृत–बांग्ला मिश्रित भाषा में रचित वंदे मातरम् पहली बार 1875 में 'बंगदर्शन' पत्रिका में प्रकाशित हुआ और बाद में 'आनंदमठ' में शामिल किया गया। वंदे मातरम्, शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकित यामिनी3 इन शब्दों में भारतभूमि देवी बनकर अवतरित होती है, शस्य–श्यामला, सुवासिनी, करुणामयी, किंतु परतंत्र। यह गीत केवल श्रद्धा नहीं, जागरण की पुकार था। 1896 में जब यह गीत पहली बार गूँजा, तो पूरा देश भावविभोर हो उठा। धीरे–धीरे वंदे मातरम् स्वतंत्रता का उद्घोष बन गया। जेलों की कोठरियों से लेकर रणभूमि तक, यह गीत साहस, बलिदान और समर्पण का प्रतीक बन गया। अरविंद घोष, लाला लाजपत राय, बिपिनचंद्र पाल और बाल गंगाधर तिलक जैसे नेताओं ने इसे अपने जीवन का सूत्र बना लिया।

गीत का दर्शन : राष्ट्रवाद का आध्यात्मिक स्वर

वंदे मातरम् केवल भावनाओं की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि गहन दर्शन का सूत्र है। यहाँ मातृभूमि भौगोलिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक सत्ता है, हमारी चेतना का केंद्र। बंकिमचंद्र ने दिखाया कि सच्चा राष्ट्रवाद बाहरी नहीं, भीतरी भावना है; यह केवल शासन की संरचना नहीं, बल्कि आत्मा का स्पंदन है।

उनका यह दृष्टिकोण भारतीय संस्कृति के उस मूल सिद्धांत से जुड़ता है जहाँ भक्ति और देशभक्ति एक ही धारा में बहती हैं। वंदे मातरम् ने भारत के राष्ट्रवाद को आध्यात्मिक आधार दिया, जहाँ सेवा ही साधना है और मातृभूमि की वंदना ही धर्म। आज, जब वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, यह केवल एक गीत की स्मृति नहीं, बल्कि भारत की आत्मा के पुनर्जागरण का महोत्सव है। 21वीं सदी का भारत जब विकसित राष्ट्र बनने की ओर बहुत तेजी से अग्रसर है, जब विज्ञान, संस्कृति, तकनीक और आत्मनिर्भरता एक साथ आगे बढ़ रहे हैं, तब यह गीत हमें स्मरण कराता है कि आधुनिकता की दिशा तभी सार्थक है जब वह मातृभूमि के प्रति श्रद्धा से जुड़ी हो।

आज के भारत में वंदे मातरम् किसी अधिवेशन या समारोह तक सीमित नहीं। यह हर नागरिक की निष्ठा, परिश्रम और संकल्प का अदृश्य संगीत है। डिजिटल इंडिया से लेकर हर घर तिरंगा तक, चंद्रयान से लेकर गंगा पुनर्जागरण तक, हर सफलता के पीछे यही आत्मस्वर गूँजता है कि हम सब एक हैं, क्योंकि हमारी माँ एक है।

बंकिमचंद्र की विरासत और हमारा उत्तरदायित्व : बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय बुद्धि और भावना, शासन और साधना, कर्म और काव्य के अद्भुत संगम थे। उन्होंने साहित्य को लोकचेतना का दीप बनाया, जिसने आगे चलकर सत्याग्रह', भारत के स्वप्न और इंकलाब को आलोकित किया।

आज, 150 वर्षों बाद, उनका यह संदेश और भी गहरा प्रतीत होता है कि राष्ट्र की प्रगति केवल तकनीकी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की आत्मा में निहित है। बंकिमचंद्र ने राष्ट्रचेतना और देशभक्ति को जो दीप जलाया था, वह आज भी हर भारतीय के भीतर उजाला करता है।

माँ की वंदना ही सच्ची स्वतंत्रता : बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का जीवन और उनका गीत हमें यह सिखाते हैं कि शब्दों में युगों को जगाने की शक्ति होती है। 'वंदे मातरम्' उसी शब्द शक्ति का शाश्वत प्रमाण है। एक ऐसा गीत जो जाति, धर्म, सम्प्रदाय और तमाम संकीर्णताओं से ऊपर उठकर एकता सिखाता है, सामाजिक समरसता का संदेश देता है, जो सीमाएँ नहीं, संवेदनाएँ जोड़ता है। आज जब भारत चरम आत्मविश्वास और सुदृढ़ संकल्पों को लेकर नए युग में प्रवेश कर चुका है, तब यह गीत हमें स्मरण कराता है कि माँ की वंदना ही सच्ची स्वतंत्रता है।

आज वन्दे मातरम् भारतीय आत्मा का मूल महामंत्र बनकर विश्वगुरु के विराट स्वरूप का बोध कराता प्रतीत होने के साथ ही स्वर्णिम वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत दे रहा है।

–आकांक्षा पालावत,
(सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, जोधपुर)

एल्गोरिथम की तानाशाही: हमारी डिजिटल स्वतंत्रता पर मंडराता खतरा

सुरेंद्रसिंह शेखावत

आज के दौर में, जब हम खुद को सूचना के एक विशाल सागर में तैरता हुआ पाते हैं, तो एक अदृश्य शक्ति है जो हमारी यात्रा को नियंत्रित करती है, वह एल्गोरिथम है। ये गणितीय कोड, जो बड़ी टेक कंपनियों के सर्वरों में समाए हुए हैं, अब केवल जटिल गणनाएँ नहीं करते; वे चुपचाप हमारे जीवन के हर पहलू पर एक तानाशाही थोप रहे हैं। यह ''एल्गोरिथम की तानाशाही'' हमारे लोकतंत्र, हमारी व्यक्तिगत पसंद और हमारी सामूहिक चेतना के लिए एक गंभीर खतरा है।

एल्गोरिथम की तानाशाही का मूल उसके अदृश्य नियंत्रण में निहित है। सोशल मीडिया फ़ीड में अगली पोस्ट, सर्च इंजन में पहला परिणाम या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अगली फिल्म का सुझाव यह जो हम देखते है वह सब किसी निष्पक्ष चयन पर आधारित नहीं है। यह सब एक अत्यधिक निजीकृत और जटिल गणना का परिणाम है।

इन प्रणालियों का प्राथमिक उद्देश्य उपयोगकर्ता को संतुष्ट करना नहीं, बल्कि उसे प्लेटफॉर्म पर अधिकतम समय तक जोड़े रखना है, ताकि डेटा और विज्ञापन राजस्व को बढ़ाया जा सके। इस प्रक्रिया में, एल्गोरिथम हमें हमारे ही विचारों, पूर्वाठाहों और रुचियों के घेरे में कैद कर देता है, जिसे फ़िल्टर बबल कहा जाता है। हम केवल वही सामग्री देखते हैं जो इस तंत्र को लगता है कि हमें पसंद आएगी जबकि विपरीत विचार या नई जानकारी जानबूझकर या अनजाने में हमसे दूर रखी जाती है। जिसका परिणाम यह होता है कि हमारी दुनिया संकीर्ण हो जाती है। हम उन लोगों और विचारों के प्रति असहिष्णु हो जाते हैं जो हमारे बबल से बाहर हैं। यह सामाजिक ध्रुवीकरण और वैचारिक विभाजन को बढ़ावा देता है, जिससे एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक खुली बहस की गुंजाइश नहीं बचती और वास्तविक जानकारी हमारे तक नहीं पहुंच पाती। एल्गोरिथम की तानाशाही का सबसे खतरनाक प्रभाव लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर पड़ता है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील जानकारी या भ्रामक समाचार को वायरल करने की एल्गोरिथम की क्षमता ने आधुनिक चुनाव और जनमत को एक खिलौना बना दिया है।

एल्गोरिथम अक्सर गुस्सा, भय और विभाजन पैदा करने वाली सामठी को प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि ऐसी सामग्री पर क्लिक और शेयर सबसे ज़्यादा होते हैं। इस तरह, अतिवादी या कट्टरपंथी विचारों को मुख्यधारा में लाकर, यह तंत्र जाने–अनजाने में लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर रहे हैं। मतदाता अब तथ्यों के आधार पर निर्णय नहीं लेते, बल्कि उन भावनाओं के आधार पर लेते हैं जिन्हें एक अदृश्य कोड द्वारा कुशलता से हेरफेर किया गया है। इसके अलावा एल्गोरिथम सरकारों और एजेंसियों के लिए बड़े पैमाने पर निगरानी का एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है। हमारे हर क्लिक, हर लाइक और हर खरीदारी को रिकॉर्ड करके, यह तंत्र हमारे व्यवहार, आदतों और कमजोरियों का एक विस्तृत प्रोफाइल बनाते हैं। यह डेटा न केवल विज्ञापन के लिए उपयोग होता है, बल्कि राजनीतिक रूप से संवेदनशील उद्देश्यों के लिए भी उपयोग किया जा सकता है, जिससे नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता खतरे में पड़ जाती है।

एल्गोरिथम की तानाशाही सिर्फ हमारी सूचना तक ही सीमित नहीं है, यह श्रम बाज़ार और सामाजिक न्याय को भी प्रभावित कर रही है। गिग इकोनॉमी में, ड्राइवरों और डिलीवरीबॉय को नियंत्रित करने वाले एल्गोरिथम अक्सर अपारदर्शी होते हैं, जिससे श्रमिकों को उनके काम की शर्तों, पारिश्रमिक और मूल्यांकन के बारे में कम या कोई जानकारी नहीं होती। यह एक नया डिजिटल लेबर फ़्यूडल सिस्टम है जहाँ मानव कर्मचारी एक कोड के अधीन हो जाते हैं।

इससे भी गंभीर बात यह है कि एल्गोरिथम, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में उपयोग किए जाने वाले, अक्सर अपने प्रशिक्षण डेटा में निहित मानवीय पूर्वाग्रहों को दोहराते हैं। यदि किसी एल्गोरिथम को ऐतिहासिक रूप से एक विशिष्ट लिंग या जाति के लोगों पर लागू किया गया है, तो वह उन पूर्वाग्रहों को सीख लेगा और नौकरी के आवेदनों को छाँटने, ऋण स्वीकृत करने या यहाँ तक कि आपराधिक न्याय प्रणाली में फैसले सुनाने में भी उन्हें दोहराएगा। इस प्रकार, एल्गोरिथम, जिसके निष्पक्ष होने की उम्मीद थी, सामाजिक असमानताओं को और भी गहरा कर देता है।

एल्गोरिथम की तानाशाही कोई विज्ञान–कल्पना की अवधारणा नहीं है, यह हमारी वर्तमान वास्तविकता है। इससे लड़ने के लिए हमें तीन मोर्चों पर काम करने की आवश्यकता है। पहला मोर्चा है जागरूकता का, एक नागरिक के रूप में हमें यह समझना होगा कि हम ऑनलाइन केवल सामग्री के उपभोक्ता नहीं हैं, बल्कि सिस्टम के उत्पाद हैं। हमें हर ऑनलाइन जानकारी को संदेह की दृष्टि से देखते हुए उसका सत्यापन करना होगा और सक्रिय रूप से विविध स्त्रोतों की तलाश करनी होगी। दूसरा मोर्चा विनियमन का है, सरकारों को इन एल्गोरिथम को नियंत्रित करने वाली बड़ी तकनीकी कंपनियों पर पारदर्शिता और जवाबदेही लागू करने के लिए सख्त कानून बनाने होंगे। हमें यह जानने का अधिकार है कि कौन सा कोड हमारे सामाजिक और राजनीतिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। डेटा निजता कानून को मजबूत करने और व्यक्तिगत डेटा के व्यावसायिक उपयोग को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। तीसरा मोर्चा है एल्गोरिथम का ऑडिट, तकनीकी ऑडिटिंग संस्थाओं का निर्माण किया जाना चाहिए जो यह जाँच सकें कि एआई और एल्गोरिथम भेदभावपूर्ण या नुकसानदेह पूर्वाठाहों के बिना काम कर रहे हैं। एल्गोरिथम एक उपकरण हैं, और किसी भी उपकरण की तरह, उनका उपयोग अच्छाई या बुराई के लिए किया जा सकता है। वर्तमान में, वे चुपचाप कुछ शक्तिशाली निगमों के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं, जो हमारी सामूहिक स्वतंत्रता के लिए खतरा है। अगर हम अपनी डिजिटल नियति को कोड के हाथों में जाने से रोकना चाहते हैं, तो अब समय आ गया है कि हम अपनी डिजिटल नागरिकता को गंभीरता से लें और इस अदृश्य तानाशाही को चुनौती दें। हमारी स्वतंत्रता, अंततः हमारी जागरूकता और एक्शन पर निर्भर करती है।

–सुरेंद्रसिंह शेखावत,
बीकानेर, (लेखक राजनीतिक कार्यकर्ता और स्वतंत्र टिप्पणीकार है)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते कदम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीनीकरण बिजली उत्पादन लक्ष्य में बड़ी भूमिका निभा रहा है राजस्थान

राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में एक नए स्वर्णिम अध्याय की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2030 तक देश में 500 गीगावाट नवीनीकरण बिजली उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने में राजस्थान को बहुत बड़ी भूमिका निभानी है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में सोलर और विंड एनर्जी उत्पादन में बढ़ोतरी को औद्योगिक विकास से सीधा लिंक किया है। कम और प्रतिस्पर्धी कीमत पर बिजली उपलब्धता से उद्योग सेक्टर को बड़ा बूस्ट मिलेगा। मुख्यमंत्री की इसी दूरदृष्टि और ठोस नीति के परिणामस्वरूप आगामी वर्ष तक प्रदेश में 11 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट स्थापित किए जाएंगे। इस महत्वाकांक्षी योजना से न केवल राज्य की बिजली जरूरतें पूरी होंगी बल्कि राजस्थान देश के सौर ऊर्जा हब के रूप में अपनी स्थिति और सशक्त करेगा।

भविष्य की दिशा : हर घर और खेत तक ऊर्जा

राज्य में डिस्कॉम्स द्वारा भविष्य को ध्यान में रखते हुए कई महत्त्वपूर्ण कार्य योजनाएं लागू की जा रही हैं। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत अगले वर्ष तक 11 हजार मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाओं की स्थापना की जाएगी। इन परियोजनाओं से किसानों को दिन के समय में बिजली की सुविधा सुनिश्चित होगी और कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ेगी। आर.डी.एस.एस. योजना के अंतर्गत प्रदेश में विद्युत वितरण तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत 33 केवी के 63 नए सब–स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। साथ ही 33 केवी स्तर के 317 फीडरों और 11 केवी स्तर के 3744 फीडरों का विभाजन किया जाएगा। 11 केवी के 1300 कृषि एवं गैर–कृषि फीडरों का पृथक्करण और 27,963 किलोमीटर लंबी एलटी केबल बिछाने का कार्य भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिन 33/11 केवी

- **सौर शक्ति से आत्मनिर्भरता की राह पर राजस्थान**
- **प्रदेश में आगामी वर्ष तक 11 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के सौर प्रोजेक्ट होंगे स्थापित**

सबस्टेशनों पर कुसुम योजना के घटक 'ए' एवं 'सी' के अंतर्गत संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, वहां स्थापित संयंत्र की क्षमता के आधार पर प्राथमिकता से नए कृषि कनेक्शन जारी किए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2027 तक राज्य के सभी जिलों में दिन के समय किसानों को बिजली उपलब्ध कराई जा सके।

बिजली वितरण का मजबूत तंत्र :- राज्य सरकार के वर्तमान कार्यकाल में विद्युत वितरण निगमों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। राजस्थान में तीनों डिस्कॉम्स जयपुर, जोधपुर और अजमेर ने संयुक्त रूप से विद्युत वितरण व्यवस्था को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।

अब तक राज्य की सर्वकालिक अधिकतम विद्युत मांग 19,165 मेगावाट दर्ज की गई, जिसे बिना किसी विद्युत कटौती के पूरा किया गया। यह उपलब्धि राजस्थान को ऊर्जा प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करती है। तीनों डिस्कॉम्स में यूनिफाइड ऑनलाइन बिलिंग सिस्टम लागू किया गया है, जिससे उपभोक्ताओं को पारदर्शी और एकीकृत सेवाएं मिल रही हैं। सरकार के इस कार्यकाल में सितम्बर माह तक 8,76,036 घरेलू विद्युत कनेक्शन और 1 नवम्बर 2025 तक 1,83,570 कृषि कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। इसी अवधि में 33 केवी के 327 सब–स्टेशन स्थापित किए गए हैं, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आपूर्ति की गुणवत्ता बेहतर हुई है। राजस्थान में सौर ऊर्जा उत्पादन को गति देने के लिए पीएम–कुसुम योजना के अंतर्गत अब तक 2077 मेगावाट की क्षमता की 914 सौर परियोजनाएँ स्थापित की जा चुकी हैं। इनसे लगभग 1,35,000 किसान लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अक्टूबर माह तक 95,727 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जिनसे 392 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता का उत्पादन हो रहा है।

राजस्थान का ऊर्जा तंत्र अब केवल वितरण तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा उत्पादन, वितरण तंत्र का आधुनिकीकरण और किसानों के हित में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश आने वाले वर्षों में स्वच्छ, सतत और सशक्त ऊर्जा राज्य के रूप में उभरेगा।

आशीष जैन, सहायक निदेशक (जनसम्पर्क)।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 25 प्रभात कोटा, शनिवार, 8 नवम्बर, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

‘उन्नीस सौ सैंतीस में राष्ट्रीय गान के चार छंद हटवाकर पं. नेहरू ने देश के विभाजन का बीज बोया था’

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय गान वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगाँठ पर आयोजित समारोह में सार्वजनिक मंच से पं. नेहरू पर यह आरोप लगाया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। बिहार में दूसरे चरण के मतदान से पहले, जिसमें मुस्लिम बहुल सीमांचल जिले शामिल हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ‘‘वंदे मातरम्’’ विवाद को दोबारा छेड़ दिया है। उन्होंने 1937 में इस गीत से कुछ महत्वपूर्ण स्टैन्ज़ा हटाने के लिये, कांग्रेस, और विशेष रूप से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, की कड़ी आलोचना की है।

योगी आदित्यनाथ और गिरिराज सिंह जैसे कुछ नेताओं की इक्का-दुक्का टिप्पणियों को छोड़ दें, तो इस बार के बिहार चुनाव में भाजपा ने हिंदुत्व का मुद्दा नहीं उठाया है। चुनाव में बेरोजगारी, पलायन और विकास की कमी जैसे मुद्दे छाए रहे हैं। लेकिन मोदी ने वंदे मातरम् के मुद्दे को उठाकर हिंदू वोट बैंक को एकजुट करने की कोशिश की है।

- **मोदी ने इस अवसर पर राष्ट्रीय गान के छंदों को पढ़कर सुनाया और कहा, कांग्रेस ने केवल प्रथम दो छंदों को स्वीकार करके राष्ट्रीय गान का स्वरूप दिया और चार छंद इतिहास में दफन हो गए।**
- **इस संदर्भ में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी.आर. केशवन ने 1937 का वह पत्र भी पेश किया जो नेहरू ने सुभाष चन्द्र बोस को लिखा था।**
- **उस पत्र में नेहरू जी ने लिखा था कि बाकी छंदों से मुसलमानों को आपत्ति हो सकती है।**
- **जैसा कि विदित ही है, चार छंदों में देश को दुर्गा, लक्ष्मी व सरस्वती का स्वरूप बताया गया है।**
- **केशवन के अनुसार, नेहरू जी के विचार एक ऐतिहासिक भूल थी, क्योंकि इससे देशभक्ति पूर्ण गान का राष्ट्रीय प्रतीक कमज़ोर हुआ।**
- **यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि अब तक के बिहार के चुनाव प्रचार में भाजपा ने हिन्दुत्व को केवल पृष्ठभूमि में ही रखा था। पर, दूसरे चरण में सीमांचल जिलों में मतदान होगा, जो मुस्लिम प्रभाव की सीटें हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या सीमांचल क्षेत्र में मतदान से पूर्व वंदे मातरम् को विवाद के रूप में प्रस्तुत करके भाजपा अपना हिंदू वोट बैंक पक्का कर रही है।**

राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ के वर्षभर चलने वाले उत्सव का उद्घाटन करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने गीत के अहम पदों को हटाकर विभाजन के बीज बोए थे। इस अवसर पर, उन्होंने पूरे गीत का पाठ भी किया।

छह पदों के इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनता को एकजुट करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। लेकिन इसके केवल पहले दो पदों को ही राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व विधायक मलिंगा के खिलाफ सुनवाई जयपुर में ही होगी

जयपुर, 7 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने बिजली कंपनी के एईएन से मारपीट के मामले में पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा के खिलाफ धौलपुर की अदालत में चल रही सुनवाई को जयपुर की एससी, एसटी कोर्ट में ट्रांसफर करने के राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश में दखल से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर अपील को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश गिर्राज सिंह मलिंगा की अपील को खारिज करते हुए दिए। अपील में राजस्थान हाईकोर्ट के गत जुलाई माह के आदेश को चुनौती दी गई थी।

- **सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाई कोर्ट के केस जयपुर ट्राँसफर करने के निर्णय को बरकरार रखा।**

अपील में कहा गया कि हाईकोर्ट की एकलपीठ ने केस को गलत तरीके से दूसरे जिले में ट्रांसफर किया है। इसके अलावा शिकायतकर्ता के परिजन वकील हैं और जयपुर में प्रैक्टिस करते हैं। ऐसे में वे सुनवाई में व्यवधान डालते हैं। इसलिए मामले को वापस धौलपुर या भरतपुर कोर्ट में शिफ्ट किया जाए। पीड़ित हर्षाधिपति की ओर से कहा गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘छठ पूजा के अवसर पर घर लौटे बिहारी चुनाव का अबूझ रहस्यमय पहलू हैं’

ये प्रवासी बिहारी मतदान तक वापस नहीं लौटे और उन्होंने जमकर वोटिंग की, ऐसा प्रशांत किशोर का मानना है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को कहा कि छठ पर्व के लिए बिहार लौटे वे प्रवासी, जो अब तक अपने काम की जगहों पर वापस नहीं गए हैं, विधानसभा चुनावों में ‘‘एक्स फैक्टर’’ साबित हो सकते हैं।

पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार, जिनकी नई पार्टी को, विभिन्न सर्वेक्षणों और जनमत संग्रहों के अनुसार, ‘‘प्रवासियों’’ के बीच काफी समर्थन मिल रहा है, ने यह दावा पहले चरण के मतदान के बाद किया, जिसमें रिकॉर्ड 64.66 प्रतिशत मतदान हुआ।

किशोर ने कहा, ‘‘स्वतंत्रता के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान यही साबित करता है कि बिहार में बदलाव की बहुत ही जबरदस्त इच्छा है। यहाँ के लोग लगभग 30 साल से एक राजनीतिक जड़ता में फंसे हुए हैं।’’

उन्होंने कहा कि अब लोगों को एक नई उम्मीद की झलक दिख रही है, क्योंकि उनकी एक साल पुरानी पार्टी एक व्यवहारिक और मजबूत विकल्प के रूप में उभरी है।

- **प्रशांत किशोर का यह भी कहना है कि मतदान प्रतिशत में जो ऐतिहासिक वृद्धि हुई है, उसका कारण भी इन्हीं प्रवासियों का वोट है।**
- **प्रशांत किशोर का यह भी दावा है कि उनकी जन सुराज पार्टी ने इन प्रवासी बिहारियों की सोच पर बहुत प्रभाव डाला है।**
- **जैसा कि इन बिहारी प्रवासियों के विभिन्न ओपिनियन पोल सर्वे से स्पष्ट नज़र आया।**
- **प्रशांत किशोर ने यह भी पुरजोर ढंग से कहा कि बिहारियों में परिवर्तन की भारी और गहरी चाहत है और वे गत तीस साल से राजनीतिक दलदल में फंस गए थे और निकलने क लिए छटपटा रहे थे।**
- **अब उनकी पार्टी एक राजनीति विकल्प के रूप में सामने आई है और बिहारियों में आशा की किरण जगी है। यह भी अभूतपूर्व मतदान का एक कारण है।**

साल 2005 से सत्ता में रहे एनडीए की आलोचना करते हुए जन सुराज पार्टी के संस्थापक ने कहा, ‘‘इन लोगों को लगा था कि वे महिलाओं को कुछ खैरात और रियायतें देकर चुनाव जीत सकते हैं। हाँ, महिलाएं बड़ी संख्या में वोट देने आईं, लेकिन इस चुनाव में असली ‘‘एक्स फैक्टर’’ प्रवासी ही हैं।’’

चीन के युद्ध पोतों की संख्या अमेरिकी नौसैनिक पोतों से 20 प्रतिशत ज्यादा हो चुकी है

और हाल ही में चीन ने अपने नवीनतम एयरक्राफ्ट कैरियर ‘‘फुजियान’’ को नौसेना में शामिल किया, जो तकनीकी दृष्टि से भी कमज़ोर नहीं है और उसके नौसैनिक जहाज अमेरिका के नौसैनिक जहाजों से आगे निकल रहे हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। चीन ने इस सप्ताह अपने नवीनतम विमानवाहक पोत ‘‘फुजियान’’ को नौसेना में शामिल कर लिया, जिससे यह बात एक बार फिर साबित हो गई है कि जहाजों की संख्या के लिहाज़ से चीन अब दुनिया की सबसे बड़ी समुद्री नौसेना है।

फुजियान विमानवाहक पोत आकार और क्षमता दोनों में अमेरिकी नौसेना के सबसे बड़े पोतों के बराबर है। इसे पूरी तरह चीन में ही एक घरेलू शिपयार्ड में तैयार किया गया है। इसमें एक विशेष विमान लिफ्ट प्रणाली (एयरक्राफ्ट लिफ्ट सिस्टम) लगाई गई है, जो इसके विमानों को हथियारों और ईंधन के अधिक भार के साथ आसानी से उड़ान भरने में सक्षम बनाती है।

- **यह स्थिति अमेरिका के लिए चुनौतीपूर्ण तो है ही, पर, भारत के लिए भी चिंता का विषय है।**
- **चीन के नौसैनिक जहाज हिंद महासागर में आए दिन अतिक्रमण और घुसपैठ करते रहे हैं और कभी भी आमने-सामने की स्थिति बन सकती है।**
- **वैसे भी चीन साउथ चाइना सी को अपना प्ले ग्राउण्ड मानता रहा है।**
- **फिलीपींस, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और वियतनाम, चीन की इस दादागिरी से काफी त्रसित हैं। पर, विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं, लगभग ऐसी ही स्थिति भारत की हिंद महासागर के संदर्भ में है।**

‘‘इलो ाग्ट्र ो मौ ग्नो ाटिंग कैटापल्ट’’ नामक यह विशेष विमान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजकॉम्प में करोड़ों के फर्जीवाड़े पर हाई कोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर, 7 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजकॉम्प के लीगल मेट्रोलॉजी एवं ईपीडीएस प्रोजेक्ट में करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़े के मामले में कार्मिक सचिव, आईटी सचिव और एसीबी डीजी से जवाब मांगा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- **अदालत ने कार्मिक सचिव, आईटी सचिव तथा एसीबी डीजी से जवाब तलब किया है।**

याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी ने अदालत को बताया कि राजकॉम्प के लीगल मेट्रोलॉजी एंड ईपीडीएस प्रोजेक्ट में दो लोगों को साल 2020 तक करीब तीन लाख रुपए प्रतिमाह के आधार पर नियुक्त किया गया। जिसे बार-बार कांट छांट कर 2022 तक बढ़ ाया गया। इसी तरह ईपीडीएस प्रोजेक्ट में पोस मशीन की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अधिकतर देश के इकॉनमिस्ट एसबीआई के अध्यक्ष शेट्टी के आंकलन से सहमत हैं

शेट्टी का मानना है कि आंकड़ों की दृष्टि से भारत की जीडीपी आदि का मापदंड कुछ ज्यादा ही आशाजनक तस्वीर पेश करते हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवंबर। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद बोलते हुए चेयरमैन सी.एस. शेट्टी ने भारत की अर्थव्यवस्था के भविष्य को लेकर सतर्क आशावाद जताया। उन्होंने एक ऐसे देश की तस्वीर पेश की, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी लचीला और मजबूत बना हुआ है। लेकिन इस आत्मविश्वास के पीछे एक जटिल सच्चाई भी छिपी है, जो यह संकेत देती है कि भारत की वृद्धि भले ही मजबूत दिख रही हो, पर वह अभी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, वर्ष 2025 में ग्लोबल जीडीपी वृद्धि लगभग 3.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके मुकाबले, भारत की जीडीपी के वित्त वर्ष 2025-26 में 6.8 प्रतिशत और 2026-27 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। शेट्टी ने इसका श्रेय मजबूत निवेश, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार और बढ़ती खपत को दिया। आंकड़े उत्साहजनक हैं, लेकिन कुछ विश्लेषक चेतावनी देते हैं कि इनके पीछे कई गहरी कमजोरियां छिपी हैं, जैसे कि ऋण और जमा राशि की वृद्धि में बढ़ता अंतर, लगातार बनी हुई महंगाई और अलग-अलग क्षेत्रों में असमान सुधार।

- **इन अर्थशास्त्रियों के अनुसार, भारत की इकॉनमी की हालत ठीक तो है, पर, सिस्टम में काफी आंतरिक कमज़ोरियाँ भी हैं, जिनसे सावधान रहना जरूरी है।**

शेट्टी ने बताया कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में ऋण वृद्धि 11.5 प्रतिशत है, जबकि जमा वृद्धि केवल 9.5 प्रतिशत पर अटकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले वित्त वर्ष में दोनों 11 से 12 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो जाएंगे। हालांकि, यह आशावाद अतिशयोक्तिपूर्ण हो सकता है। लेकिन अर्थशास्त्री आगाह करते हैं कि जमा वृद्धि में धीमी वृद्धि परिवारों की कमजोर वित्तीय स्थिति और घटती बचत को दिखाती है, क्योंकि बढ़ती महंगाई से लोगों की वास्तविक आय घट रही है। अगर यह स्थिति जारी रही, तो बैंकों के लिए कर्ज देने की क्षमता सीमित हो जाएगी, जिससे उन्हें थोक उधारी या ऊंची ब्याज दरों पर निर्भर होना पड़ेगा, जो उनके मुनाफे पर दबाव डालेगा।

नोमुरा की मुख्य अर्थशास्त्री सोनल वर्मा के अनुसार, ‘‘लोग अब अपनी बचत का इस्तेमाल रोजमर्रा की खपत के लिए करने लगे हैं। यह दीर्घकालिक वृद्धि का टिकाऊ आधार नहीं है।’’

इसके अलावा, घरेलू मांग भले ही कागज़ों पर मजबूत दिख रही हो, पर उसका बड़ा हिस्सा अमीर तबके की खपत से आ रहा है। शहरी इलाकों में गाड़ियों, मकानों और उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण खपत, जो असली आर्थिक सुधार का पैमाना मानी जाती है, अब भी कमजोर है। अनियमित मानसून, ठहरी हुई ग्रामीण मजदूरी और कृषि आय में कमी ने ग्रामीण मांग को दबा दिया है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र पंत ने कहा, ‘‘ग्रामीण क्षेत्रों में सुधार की बात शायद अभी जल्दबाजी होगी। हम कुछ क्षेत्रों में सुधार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शराबी डम्पर चालक की पैरवी से वकीलों का इन्कार

जयपुर, 7 नवंबर। हरमाड़ा थाना इलाके में शराब के नशे में धुत्त होकर 14 लोगों को मौत के घाट उतारने वाले डंपर चालक कल्याण मीणा को चौमूं के अपर सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। जहां से न्यायालय ने उसे 15 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस भीषण हादसे को देखते हुए वकीलों ने डंपर चालक कल्याण मीणा की पैरवी करने से इंकार कर दिया। न्यायालय ने आरोपी कल्याण मीणा को पेश करने के साथ ही पुलिस को इस मामले में गंभीर धाराओं के तहत अनुसंधान करने के आदेश दिए। कोर्ट की कार्यवाही के दौरान सरकार की ओर से अभियोजन

- **शराब के नशे में धुत्त डम्पर चालक ने 14 लोगों को कुचल दिया था।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फीफा ट्रंप को शांति पुरुस्कार देने की तैयारी में है

फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फैंटीनो, ट्रंप के नज़दीकी समर्थक हैं और 2026 में फीफा कप के आयोजन के लिए अमेरिका की निविदा के प्रबल समर्थक हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। जब इस हफ्ते फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो से पूछा गया कि क्या डॉनल्ड ट्रम्प को नया फीफा शांति पुरस्कार मिलेगा, तो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, 5 दिसंबर को आप देख लेंगे। इस एक वाक्य ने वाशिंगटन डी.सी. में होने वाले विश्व कप ड्रॉ से पहले तरह-तरह के कयासों का तूफान खड़ा कर दिया है, जहां यह पहला पुरस्कार दिया जाएगा।

इसके बाद जो सवाल उठता है, वह यह है कि नोबल शांति पुरस्कार की तुलना में फीफा शांति पुरस्कार की अहमियत क्या होगी।

नोबेल शांति पुरस्कार, जिसे 1895 में अल्फ्रेड नोबेल ने स्थापित किया था, लंबे समय से दुनिया के नैतिक दिशासूचक के रूप में जाना जाता है। नॉर्वेजियन संसद के अधीन एक स्वतंत्र समिति द्वारा संचालित इस पुरस्कार ने नेल्सन मंडेला और मलाला यूसुफज़ई से लेकर संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम तक, कई बार, इतिहास को आकार दिया है। भले ही यह कभी-कभी विवादास्पद रहा हो, जैसे बराक ओबामा को 2009 में या 1994 में यासिर अराफात और राबिन को दिये गये पुरस्कार, लेकिन नोबेल पुरस्कार की साख इसकी स्वतंत्रता और नैतिक उद्देश्य से उपजी है।

इसके विपरीत, फीफा का नया शांति पुरस्कार एक ऐसे खेल संगठन की पहल है, जो अपनी अंतरात्मा की आवाज से ज्यादा अरबों डॉलर की स्पॉन्सरशिप और भ्रष्टाचार घोटालों के लिये जाना जाता है। ‘‘फुटबॉल यूनाइट्स द वर्ल्ड’’ नामक यह पुरस्कार ‘‘शांति के लिए असाधारण कार्यों’’ का सम्मान करने का दावा करता है। लेकिन इसमें न तो नामांकन की कोई स्पष्ट प्रक्रिया है, न ही जूरी की जानकारी सार्वजनिक की गई है, इसलिए इसकी विश्वसनीयता पूरी तरह फीफा के शब्दों पर टिकी है।

- **अतः इन्फैंटिनो द्वारा पाँच दिसम्बर को वॉशिंगटन में निविदाओं पर अंतिम निर्णय लिया जायेगा।**
- **इन्फैंटिनो इस मौके को ट्रंप को उपकारित करने का अच्छा अवसर मानते हैं। फीफा पीस प्राइस दे कर।**
- **ट्रंप को भी इस ‘‘सम्मान’’ से राजनीतिक लाभ मिलने की अपेक्षा है, क्योंकि वॉशिंगटन के कैनेडी सैंटर में ट्रंप को इस सम्मान से नवाजा जा सकता है।**
- **पर, अहं सवाल यह है कि फीफा शांति पुरुस्कार की नोबेल पीस प्राइस से तुलना होगी ही और फीफा सम्मान बहुत फीका नज़र आयेगा, नोबल पीस प्राइस के समक्ष।**
- **नोबल पीस प्राइस 1895 से दिया जा रहा है और वह राजनीति से अपने आप को अछूता रखता है। दूसरी ओर फीफा विवादित स्पॉन्सरशिप व कॉमर्शियल राईट्स से सदा से ग्रसित रहा है।**

अगर यह पुरस्कार ट्रम्प को दिया गया, तो इसे एक राजनीति नाटक के रुप में देखा जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प, इन्फेंटिनो के घनिष्ठ सहयोगी रहे हैं और 2026 विश्व कप की संयुक्त मेज़बानी (अमेरिका, कैनडा और मेक्सिको) के प्रबल समर्थक भी रहे हैं। ऐसे में ‘‘शांति’’ के नाम पर दिया गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरएएस का बंद लिफाफा खोल परिणाम जारी करें

जयपुर, 7 नवंबर। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह आरएएस हायर सुपर टाइम स्केल में साल 2021-2022 की रिक्ति के विरुद्ध राजस्व मंडल के पूर्व सदस्य भंवरलाल मेहरडा की पदोन्नति के परिणाम का बंद लिफाफा खोलकर परिणाम जारी करे। यदि वह योग्य पाया जाता है तो उसे उस तिथि से पदोन्नत किया जाए, जिस तिथि से उसके जूनियर अफसरों को प्रमोशन मिला है। अधिकरण ने स्पष्ट किया है कि यह पदोन्नति एसीबी कोर्ट में लंबित प्रकरण के फैसले के अधीन रहेगी। अधिकरण ने यह आदेश भंवरलाल मेहरडा की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **अपीलीय अधिकरण ने कहा कि ऐसा प्रमोशन एसीबी कोर्ट के फैसले के अधीन रहेगा।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुलिस ने मुठभेड़ में इनामी बदमाश जाहिद को गोली मारकर किया गिरफ्तार

डीएसटी और खोह थाना पुलिस ने एक कट्टा और 10 जिंदा कारतूस भी जब्त किये

- **डीएसटी टीम और खोह थाना पुलिस की टीम को देख शातिर बदमाश जाहिद भागने लगा और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी**
- **पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों पैरों में घुटनों के नीचे गोलियां लगने बदमाश जाहिद घायल हो गया**

डीग/भरतपुर, (निसं)। डीग जिले के खोह थाना क्षेत्र में शुक्रवार की तड़के 4 बजे जटेरी और हयातपुर के डीएसटी टीम और खोह थाना पुलिस के साथ मुठभेड़ में 10 हजार का इनामी बदमाश जाहिद उर्फ़ बुलटी पुत्र नसरू मेव निवासी गढ़ी मेवात थाना खोह जिला डीग जवाबी कार्रवाई में दोनों पैरों में पुलिस ने गोली मार कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे डीग के जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए आरबीएम जिला हॉस्पिटल भरतपुर रैफर कर दिया। पुलिस ने उसके पास से एक कट्टा 315 बोर एवं 10 जिंदा कारतूस 315 बोर के और एक अपाचे मोटरसाइकिल विना नंबरी जब्त की है।

खोह थाना प्रभारी महेंद्र शर्मा ने बताया है कि शुक्रवार की तड़के करीब चार बजे बदमाशों की तलाश में एस आई वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में डी एस टी टीम और सी आई महेंद्र शर्मा के नेतृत्व में खोह थाना पुलिस की टीम गांव जटेरी और हयातपुर के बीच मोनी बाबा के आश्रम के पास पहुंची तो उन्हें वहां अपाची बाइक पर गढ़ी मेव निवासी शातिर बदमाश जाहिद उर्फ बुल्टी मेव दिखाई दिया जो पुलिस को देख भागने लगा और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जिस पर पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों पैरों में घुटनों के नीचे पुलिस की गोलियां लगने बदमाश जाहिद घायल हो गया।

थाना प्रभारी शर्मा के अनुसार जाहिद ने पुलिस पर अपने पास मौजूद अवैध 315 बोर कट्टे से 20 राउंड फायर किए। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में डीएसटी टीम और पुलिस ने 8 राउंड फायरिंग की जिसमें 2 गोलियां जाहिद के दोनों घुटनों के नीचे पैरों में लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस को मुठभेड़ के स्थान से गोलियों के पांच खाली खोखे मिले हैं। फिलहाल घायल आरोपी जाहिद इलाज के लिए आरबीएम जिला हॉस्पिटल भरतपुर में भर्ती है। पुलिस की अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर यूपी पुलिस की तरह राजस्थान में भी किए गए आपरेशन लंगड़ा को लेकर भय भय व्याप्त हो गया है।

नाबालिग को बेचने का मामला दर्ज : पीड़ित ने अपने जमाई के खिलाफ पुत्री को गुजरात में बेचने की आशंका के चलते उदयपुर के कोटडा पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित पुना पुत्र मकना पारगी निवासी बोरदीकला कोटडा ने अपने जमाई दीना पुत्र रायसा खोखरिया निवासी बोर्डी कला के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि आरोपी गुजरात में मजदूरी एवं अन्य काम करता हैं। 13 जून को आरोपी मेरी नाबालिग पुत्री को अपने साथ ले गया जो वापस नहीं आई।

घायल बदमाश जाहिद को अस्पताल में भर्ती करवाया।

डूंगरगढ़ में नकली सरस घी बिक्री का पर्दाफाश

- **बीकानेर की उरमूल डेयरा को सूचना मिली कि डूंगरगढ़ में डेयरी दर से काफी कम दाम पर सरस घी की बिक्री हो रही है**
- **संदेह होने पर डेयरी प्रशासन ने एक बोगस ग्राहक भेजकर स्थिति की जांच की, जिसमें घी की असलियत पर संदेह की पुष्टि हुई**
- **उरमूल डेयरी और सीएमएचओ की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए संदिग्ध घी के 15 किलो और एक-एक किलो पैकिंग वाले सैंपल लिए**

बीकानेर, (निसं)। उरमूल डेयरी की सजगता और प्रशासनिक तत्परता ने डूंगरगढ़ में नकली सरस घी के बड़े जाल को उजागर कर दिया। बीकानेर की उरमूल डेयरी, जो राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन जयपुर से संबद्ध है, को सूचना मिली कि डूंगरगढ़ में डेयरी दर से काफी कम दाम पर सरस घी की बिक्री हो रही है। संदेह होने पर डेयरी प्रशासन ने एक बोगस ग्राहक भेजकर स्थिति की जांच की, जिसमें घी की असलियत पर संदेह की पुष्टि हुई।

इसके बाद उरमूल डेयरी और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (सीएमएचओ) की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए संदिग्ध घी के 15 किलो और एक-एक किलो पैकिंग वाले सैंपल लिए। जांच के दौरान सामने आया कि घी के टिन पर लिखे बैच नंबर, निर्माण तिथि और अंतिम उपयोग तिथि पैकिंग के गत्ते से मेल नहीं खा रहे थे। इतना ही नहीं, टिनों पर अलग-अलग जिलों की सरस डेयरी की मार्किंग पाई गई, जिससे मिलावट का संदेह और गहरा गया। मामले में फर्म मालिक के जवाब भी भ्रामक मिले। फिलहाल सैंपल लैब जांच के लिए भेजे गए हैं। सामान्य तौर पर डेयरी उत्पादों के निर्धारित दामों में इतनी गिरावट असंभव लगने पर डेयरी प्रशासन ने तत्काल जांच का निर्णय लिया।

उरमूल डेयरी के प्रबंध संचालक बाबूलाल बिश्नोई ने बताया कि इस सूचना के बाद एक विशेष टीम गठित की गई, जिसमें प्लांट मैनेजर ओमप्रकाश भांभू, प्रभारी क्वालिटी कंट्रोल आरएस सैंगर, प्रभारी मार्केटिंग मोहन सिंह चौधरी तथा सीएमएचओ टीम से भानूप्रकाश, सुरेंद्र और राकेश गोदारा शामिल थे। टीम ने सबसे पहले एक बोगस ग्राहक को संदिग्ध दुकान पर भेजा। ग्राहक ने 15 किलो घी का टिन मांगा और उसके पैसे ऑनलाइन भुगतान कर दिए। लेनदेन पूरा होते ही उरमूल डेयरी और सीएमएचओ की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान टीम को पता चला कि टिन पर छपी निर्माण तिथि और बैच नंबर, पैकिंग गत्ते पर लिखे विवरण से मेल नहीं खा रहे थे। कुछ टिनों पर अलग-अलग जिलों की सरस डेयरियों की मार्किंग भी थी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि पैकिंग और ब्रांडिंग में छेड़छाड़ की गई है। जब टीम ने दुकान मालिक से पूछताछ की तो उसने गोदाम का सही पता बताने में टालमटोल शुरू कर दी। इतना ही नहीं, वह टीम को गलत चाबियां और दूसरे गोदामों के पते देकर भटकाता रहा। दुकान का नाम बद्रीलाल श्याम सुंदर राठी बताया गया है, जो डूंगरगढ़ की अमर पट्टी में स्थित है। मामले की गंभीरता देखते हुए टीम डूंगरगढ़ पुलिस थाने पहुंची, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया।

थाना अधिकारियों ने कहा कि ऐसे मामलों की रिपोर्ट जयपुर स्तर पर दर्ज की जाती है। फिलहाल सीएमएचओ की टीम ने घी के सैंपल जब्त कर जांच के लिए लैब भेज दिए हैं।

पुष्कर मेले में राजस्थान महिला कल्याण मंडल को प्रथम पुरस्कार मिला

- **विकास प्रदर्शनी के अंतर्गत जन-जागरूकता कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया**

पुष्कर, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले में आयोजित विकास प्रदर्शनी के अंतर्गत जन-जागरूकता कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए राजस्थान महिला कल्याण मंडल को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मेले के समापन समारोह के दौरान जिला कलेक्टर लोकबंधु द्वारा प्रदान किया गया।

संस्था की सचिव एवं कार्यकारी क्षमा आर. कौशिक ने बताया कि विकास प्रदर्शनी में संस्था द्वारा जन-जागरूकता प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसे मेले प्रबंधन द्वारा प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से मेले में आए आगंतुकों को दिव्यांगजन के अधिकारों, पुनर्वास, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। संस्था द्वारा चैलेंजिंग चलेंजे गतिविधि के माध्यम से लोगों को दिव्यांगजन द्वारा झेली जाने वाली चुनौतियों का अनुभव कराया गया, जिससे समाज में संवेदनशीलता और जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। कौशिक ने इस उपलब्धि के लिए संस्था के सभी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत सहित कई गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान महिला कल्याण मंडल को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया।

मूर्तिपूजा पर टिप्पणी करने वाला पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। डबोक थाना क्षेत्र में रात के समय मूर्ति पूजा पर विवादित टिप्पणी के पर्चे फैंकने वाले को पश्चिम बंगाल से पुलिस ने गिरफ्तार किया। 24 सितंबर को शांतिलाल पुत्र तेजपाल निवासी डबोक चौराहा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरी विनायक ज्वैलर्स नाम से डबोक चौराहा पर दुकान है। एक दिन पूर्व सवेरे दुकान खोली तो शटर के नीचे एक ईसाई धर्म के मंतव्य का पर्चा मिला। जिस पर मूर्ति पूजा पर विवादित टिप्पणी लिखी थी। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गठित दल ने डबोक थाना उप निरीक्षक बाबूलाल ने पश्चिम बंगाल जलपाई गुड्डी से डेनियल ओल्टीनों पुत्र अ.ए. ओल्टीनो अलीकष सांदरू निवासी रायकत पारा थाना कोतवाली जलपाईगुडी पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने ईसाई धर्म का धर्मगुरू होकर धर्म का प्रचार करना एवं स्कूल के बच्चों को ईसाई धर्म के ज्ञान करा ईसाई प्रार्थना करवाना बताया।

वासुदेव देवनानी की पत्नी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे जनप्रतिनिधि और अधिकारी

अजमेर, (निसं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पत्नी स्व. इंदिरा देवनानी को शुक्रवार को उनके निवास पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और शहरवासी उपस्थित रहे। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय इंदिरा देवनानी के सरल, स्नेहिल और सेवा भाव से परिपूर्ण व्यक्तित्व को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभी ने वासुदेव देवनानी एवं परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि सभा में सभी ने कहा कि स्व. इंदिरा देवनानी का जीवन सादगी, समर्पण और सेवा की मिसाल रहा है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को अंतिम नमन किया। पूरे वातावरण में श्रद्धा और भावनाओं का आलोक छा गया। इस अवसर पर राजस्थान कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, मंत्री जवाहर सिंह बेढम, सांसद भजन लाल जाटव, विधायक शमाराम गरासिया, रेवंतराम डांगा, घनश्याम मेहर एवं हमीर सिंह भायल, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, प्रदेश महासचिव भाजपा मुकेश दाधीच, पूर्व विधायक राकेश पारीक, नसीम अख्तर, गोपाल बाहेती, वीरेंद्र प्रताप सिंह गुड़ा, भाजपा प्रदेश पदाधिकारी सोमकांत शर्मा, महेश शर्मा, विक्रांत खंडेलवाल, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल ने श्रद्धांजलि दी। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने फोन पर सांत्वना दी।

काना पहाड़ में खनन का विवाद एनजीटी तक पहुंचा

- **सेंट्रल पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड भोपाल के अधिकारी काना पहाड़ का जायजा लेने पहुंचे**
- **करीब दो घंटे तक काना पहाड़ की धरातली हकीकत और क्षेत्र के लोगों से बातचीत करने के बाद टीम वापिस लौट गई टीम**

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के बीच में स्थित काना पहाड़ में खनन का विवाद अब एनजीटी तक पहुंच गया है। क्षेत्र के प्रभावित लोगों ने आपस में ही चंदा इकट्ठा कर एनजीटी भोपाल में अपनी याचिका लगाई, जिसका असर देखने को मिला है। याचिका में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए सेंट्रल पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड भोपाल के अतिरिक्त निदेशक सुनिल मीणा की अगुवाई में एक जांच टीम झुंझुनूं पहुंची। स्टेट पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के सुधीर यादव, जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम कौशल्या विश्नोई, तहसीलदार महेंद्र मूंड, खनन अभियंता रामलाल सिंह के साथ करीब दो घंटे तक काना पहाड़ की धरातली हकीकत और क्षेत्र के लोगों से बातचीत करने के बाद टीम वापिस लौट गई।

कृषि विभाग के रिटायर्ड उप निदेशक और क्षेत्रवासरी अकरम अली ने बताया कि काना पहाड़ में खनन बंद करने को लेकर लंबे समय से मांग की जा रही है। 2007 में तत्कालीन एसडीएम और कलेक्टर ने काना पहाड़ में खनन बंद करने की सिफारिश भी कर दी थी, लेकिन खान विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने मिलीभगत कर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को दरकिनार कर खनन की परमिशन दे दी। जिसके खिलाफ अब क्षेत्र के लोगों ने ही आपस में चंदा इकट्ठा कर एनजीटी में गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि यहां पर 50-60 घर तो खनन से पूरी तरह और 100 से ज्यादा घर आंशिक रूप से प्रभावित है। यह क्षेत्र मास्टर प्लान में भी पर्यावरण प्रगति के लिए आरक्षित है। सभी बातों को दरकिनार करके खनिज विभाग और पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इस क्षेत्र में खनन शुरू करवाने पर आमादा है।

जानकारी के अनुसार शहर के समस तालाब के नजदीक काना पहाड़ क्षेत्र में टीम ने काना पहाड़ी में खनन से हुई खदान, तालाब, कबूतर खाना, काना पहाड़, समस तालाब, पशु उप चिकित्सा केंद्र, मंदिर, दरगाह समेत खनन क्षेत्र से सटे परिया का बारीकी से जायजा लिया। इस टीम ने स्थानीय लोगों के साथ ही खनन धारकों से भी बातचीत कर उनका पक्ष जाना। एनजीटी के निर्देश पर आई टीम को 17 नवंबर से पहले रिपोर्ट एनजीटी को प्रस्तुत करनी है, क्योंकि इस मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को है।

शहर की आबादी से सटे काना पहाड़ में लंबे समय से खनन कार्य बंद था। 2022 में यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में स्टेट लेवल एनवायरमेंट एसेसमेंट अथॉरिटी को इस मामले में सुनवाई करने को कहा।

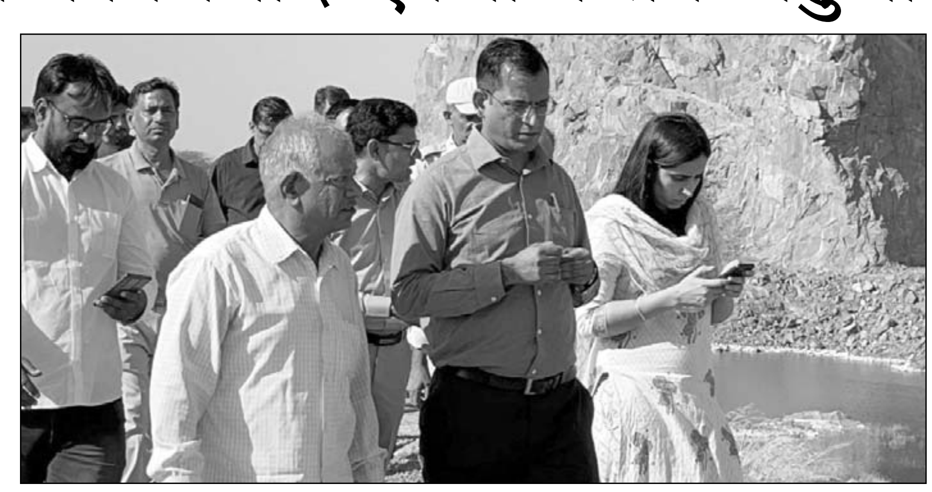

सेंट्रल पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड भोपाल की टीम काना पहाड़ का जायजा लेने पहुंची।

टूटी सड़क से उड़ती धूल और मिट्टी से आमजन परेशान

भीलवाड़ा, (निसं)। गुलाबपुरा नगर पालिका क्षेत्र में अंडरब्रिज से धूनी मार्ग तक टूटी सड़क से उड़ती धूल-मिट्टी ने स्थानीय निवासियों का जीना मुश्किल कर दिया है। शुक्रवार को वार्ड संख्या पांच गणेश कॉलोनी की महिलाओं ने सड़क जाम कर नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। महिलाओं का कहना है कि पिछले दो माह पूर्व इस सड़क का निर्माण कराया गया था, लेकिन बारिश के बाद सड़क पूरी तरह से गड्ढों और मिट्टी में बदल गई है। नगर पालिका प्रतिदिन टैंकरों से पानी डालकर धूल को दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन यह व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है। महिलाओं ने बताया कि घरों में धूल-मिट्टी भर जाने से खाना बनाना, बच्चों को संभालना तक मुश्किल हो गया है। बर्तनों और रसोई में हर जगह मिट्टी जम जाती है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही वंदना सोनी ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की और नई सड़क का निर्माण शुरू नहीं कराया तो आंदोलन और उग्र होगा। महिलाओं ने प्रशासन से तत्काल समाधान की मांग की है ताकि स्थानीय लोगों को राहत मिल सके।

कस्टोडियन भूमि के बहुचर्चित मामले में 19 गांवों के किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे

कस्टोडियन भूमि नियमन आवंटन किसान संघर्ष समिति ने जिला कलेक्टर से किसानों को जमीन का आवंटन करने की मांग रखी

- **राजस्व मंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर को इस मामले की तथ्यात्मक व सकारात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं**

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना में कस्टोडियन जमीनों को सरकारी घोषित करने के बहुचर्चित मामले को लेकर जहां 10 नवम्बर को जिला कलेक्ट्रेट के सामने महापड़ाव का ऐलान किया गया है। वहीं दूसरी ओर शुक्रवार को क्षेत्र के 19 गांवों के सैकड़ों पीड़ित किसान जिला कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खड़गावत से मिले और राजस्व मंत्री के निर्देशानुसार पीड़ित किसानों को पुन: उनकी जमीनें सुपुर्द करने की मांग की।

इस मौके पर किसानों ने जिला कलेक्टर को बताया कि डीडवाना विधायक यूनुस खान ने राजस्व मंत्री हेमंत मीणा से मुलाकात कर डीडवाना में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कस्टोडियन जमीनों को वास्तविक कब्जाधारी किसानों को कानूनन नियमन व आवंटन करने की मांग की थी। यूनुस खान ने राजस्व मंत्री को बताया कि राजस्थान के 10 जिलों के 8695 कब्जाधारी किसानों को कस्टोडियन जमीनों का आवंटन किया जा चुका है, लेकिन डीडवाना जिले में आज तक इन जमीनों का किसानों को आवंटन नहीं किया गया। जिस पर राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर को इस मामले की तथ्यात्मक व सकारात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

किसानों ने बताया कि भारत विभाजन के दौरान 1947 में बड़ी संख्या में मुस्लिम परिवार पाकिस्तान चले गए थे। उनके पलायन के बाद डीडवाना के लगभग 19 गांवों में उनकी ज़मीनों को कस्टोडियन भूमि के रूप में दर्ज किया गया था। इन जमीनों को कुछ माह पहले जिला प्रशासन ने अपने संरक्षण में लेना शुरू किया था, जिसे लेकर काफी विरोध हुआ था। अब इस जमीनों को सरकारी कार्यालयों के लिए आवंटित करने का भी विरोध किया जा रहा है। इन जमीनों पर काबिज किसानों का कहना है कि इन जमीनों पर आजादी से पूर्व और आजादी के बाद से सभी वर्गों के किसान खेती करते आ रहे हैं। यह जमीनें उनकी पुश्तैनी जमीन है, जिन पर वह 78 वर्षों से खेती कर रहे हैं। कई जमीनों पर भवन बन चुके हैं और घनी आबादी बस चुकी है। अब इन जमीनों को गलत तरीके से सरकारी घोषित करना किसानों के हितों पर कुठाराघात है। ऐसे में राजस्व मंत्री के निर्देशानुसार इस मामले की सकारात्मक रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि किसानों को न्याय मिल सके।

19 गांवों के सैकड़ों पीड़ित किसान जिला कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खड़गावत से मिलने पहुंचे।

मांडल थाने से जेसीबी चोरी मामले पांच आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई जेसीबी, वारदात में प्रयुक्त कार और बाइक जब्त

- **पुलिस अब जेसीबी चोरी की साजिश में शामिल निलंबित पुलिसकर्मियों सहित अन्य बजरी माफियाओं की तलाश कर रही है**

भीलवाड़ा, (निसं)। बजरी माफिया और पुलिसकर्मियों की कथित मिलीभगत से मांडल थाने में जब्त की गई जेसीबी को अदला-बदली कर चोरी करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई जेसीबी को बरामद कर लिया गया, साथ ही वारदात में प्रयुक्त एक कार और बाइक भी जब्त की गई है।

इस पूरे मामले में मांडल थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी विक्रम सेवावत, एएसआई नंदलाल गुर्जर और दीवान राजेंद्र सिंह को जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव पहले ही निलंबित कर चुके हैं। निलंबन के बाद से तीनों पुलिसकर्मी भूमिगत हैं, जिससे पुलिस विभाग में गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं और उच्चाधिकारियों की सख्ती के बावजूद गिरफ्तारी नहीं होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

सीसीटीवी फुटेज में पुलिसकर्मी की मौजूदगी :- मामले में जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज सामने आए, जिसमें थाने में एएसआई नंदलाल गुर्जर की मौजूदगी में जेसीबी की अदला-बदली होती दिखी। बजरी में जब्त नई जेसीबी को बाहर निकालकर उसकी जगह पुरानी व खराब मशीन रखी गई थी, ताकि बजरी माफिया को फायदा पहुंचाया जा सके।

जांच और गिरफ्तारियां :- जिला पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक (सदर) प्रशिक्षु आईपीएस माधव उपाध्याय को सौंपी थी। गहन पड़ताल के बाद पुलिस ने पालड़ी निवासी ओमप्रकाश पुत्र छोगा भील, रणिकपुरा निवासी पूरण माली पुत्र नगजीराम, गोविंदपुरा निवासी सांवरा कीर पुत्र रतन कीर, जाटों का खेड़ा आरजिया निवासी पंकज जाट पुत्र सत्यनारायण जाट और इन्द्रपुरा (पालड़ी) निवासी सुनील पुत्र सम्पत गुर्जर को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई जेसीबी बरामद कर ली गई। वहीं एक कार व एक बाइक को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

धोखाधड़ी का मामला भी जुड़ा :- पुलिस जांच में सामने आया कि यह जेसीबी पूर्व में बिजौलियां थाने क्षेत्र में धोखाधड़ी के एक मामले में चिन्हित हैं। यह मशीन मुकेश गुर्जर के पास थी। अब यह जेसीबी उसके पास कैसे पहुंची, इसको लेकर पुलिस आगे की पूछताछ कर रही है।

अभी इनकी तलाश जारी :- पुलिस अब जेसीबी चोरी की इस साजिश में शामिल निलंबित पुलिसकर्मियों सहित अन्य बजरी माफियाओं की तलाश कर रही है। वहीं थाने से जब्तशुदा वाहन कैसे बिना उच्च स्तरीय जानकारी के बदले गए, इस पर भी पुलिसिया सिस्टम की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने कहा कि शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं और मामले में आगे विस्तार से पूछताछ की जाएगी।

भगवान बिरसा मुण्डा के योगदान को आमजन तक पहुंचाना हमारा दायित्व : भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती पर डूंगरपुर में प्रस्तावित राज्यस्तरीय समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

उदयपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा ने 19वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष कर आजादी के आंदोलन को मजबूत आधार दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच

■ 15 नवंबर (जनजातीय गौरव दिवस) मात्र एक तिथि नहीं, बल्कि जनजाति गौरव और संघर्ष की अमर स्मृति है : भजनलाल शर्मा

उदयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

से देशभर में जनजातीय गौरव से जुड़े विविध आयोजन हो रहे हैं। 15 नवंबर (जनजातीय गौरव दिवस) मात्र एक तिथि नहीं, बल्कि जनजाति गौरव और संघर्ष की अमर स्मृति है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को उदयपुर में शोभागपुरा स्थित एक होटल में बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर हो रहे आयोजनों को लेकर बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगामी 15 नवंबर को डूंगरपुर में प्रस्तावित राज्यस्तरीय समारोह की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जाए और विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संगठनों को सक्रिय रूप से जोड़ा जाए। साथ ही, छात्र-छात्राओं को बिरसा मुण्डा के जीवन, संघर्ष और बलिदान के बारे में व्यापक जानकारी दी जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनजातीय क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि जनजाति आवासीय विद्यालयों में मेस भत्ता तथा मां-बाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में की गई वृद्धि राज्य सरकार की संवेदनशील नीतियों का प्रतिबिंब है। हमारी सरकार ने जनजाति क्षेत्र के उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए है। बैठक में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि बिरसा मुण्डा कुछ और समय जीवित रहते तो अंग्रेजों को बहुत पहले ही देश छोड़ना पड़ता। स्वतंत्रता की लड़ाई में 170 से अधिक जनजाति नायकों ने अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को इन नायकों की गौरव गाथा से रूबरू कराने की आवश्यकता है। इसी क्रम में वर्ष 2021 से जनजाति गौरव दिवस मनाने की शुरूआत की गई तथा इस वर्ष जनजातीय गौरव वर्ष मनाया जा रहा है। उन्होंने 15 नवंबर के प्रस्तावित कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने की अपील की। राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि अधिक से अधिक पात्र लोग सरकार की योजनाओं का लाभ लें और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाएं पहुँचाने और उनका उत्थान करने में सहयोग करें।

सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा कि बिरसा मुण्डा ऐसे जननायक है, जिन्हें आमजन ने भगवान का दर्जा दिया। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान जिन नायकों को याद किया गया, उनमें एक भगवान बिरसा मुण्डा भी हैं। उन्होंने जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़े के तहत प्रदेशभर में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों पर चर्चा की तथा राज्य स्तरीय समारोह को सफल बनाने के लिए की जा रही तैयारियों को भी रेखांकित किया। इस अवसर पर विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, जिला प्रमुख ममता कुंवर सहित उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ आदि जिलों के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीज कारोबारी रवि गुप्ता पर फिरौती के लिए रेकी कर फायरिंग करने की प्लानिंग करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने वारदात को अंजाम देने के लिए गैंगस्टर्स को पैसे उपलब्ध कराए थे। पकड़ा गया आरोपी

■ गैंगस्टर्स को पैसे उपलब्ध कराता था बदमाश, बीज कारोबारी पर करने वाले थे फायरिंग

25 हजार का इनामी बदमाश है। आरोपी की पहचान गुरविंद्र सिंह (21) निवासी रावला (श्रीगंगानगर) के रूप में हुई है। 19 जुलाई को कारोबारी पर फिरौती के लिए फायरिंग की प्लानिंग बनाने वाले आरोपियों को पैसे उपलब्ध करवाए थे। इससे पहले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार 19 जुलाई को सदर पुलिस और डीएसटी प्रथम ने आरोपियों को नेशनल हाइवे नाइयांवाली में आनंद पीजी में छिपे हुए को पकड़ा था। आरोपियों ने पीजी की तीसरी मंजिल के कमरों से सीढियों पर भागने की कोशिश की और गिर जाने से गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे। जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से टर्की निर्मित मॉडर्न जिगाना पिस्टल व 14 कारतूस बरामद किए थे। आरोपी बीज कारोबारी पर हमला करने वाले थे, इससे पहले ही पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया था।

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में विषाक्त वस्तु सेवन कर युवक ने आत्महत्या कर ली। अदनोल नाथद्वारा हाल शोभागपुरा निवासी रणजीत सिंह (40) पुत्र उदयसिंह चौहान की विषाक्त वस्तु सेवन करने से होने से मौत हो गई। दिमागी हालत ठीक नहीं होने से विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया था।

OFFICE MUNICIPAL COUNCIL CHOMU (JAIPUR)
Tel-01423-220036 e-mail:chomu.jaipur@yahoo.com
Sr. No. : NPC/2025/2262 Date : 03.11.2025
Notice Inviting Bid
Bids for "NALA CONSTRUCTION REPAIR WORK FORM BHANDE TO BUS STAND RINGUS ROAD NALA IN NAGAR PARISHAD CHOMU" are invited interested bidders upto 06.00 PM on 03.11.2025 Dated. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The Bid Value are 49.99 Lacs.
NIB CODE : DLB2526A7667 & UBN NO. : DLB2526WSOB23199
Raj.Samwad/C/25/13325 COMMISSIONER

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED PROJ. DIVISION KARAULI HQ TODABHIM
(email :- eecsnpkaroli@gmail.com)
Sr.No.: 5896-5904 Date: 30/10/2025
NOTICE INVITING BID
Bid for Construction & Commissioning of 32 Nos. 125mm dia Hand Pump at Various Village under PHED Project Division Karauli HQ Todabhim is invited. Important Dates and particular of the Bid may be seen on the procurement portal sppp.raj.nic.in or eproc.rajasthan.gov.in
NIBCODE:- PHE2526A3929

SN	NIT NO.	UBN NO
1	80/2025-26	PHE2526WSOB08051

Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Proj. Division Karauli HQ Todabhim
DIPR/C/16163/2025

राजस्थान आवासन मण्डल
क्रमांक :- 552 दिनांक :- 05/11/2025
निविदा सूचना संख्या 06/2025-26
1. पंचशील, नाका मदार और दौराई अजमेर में नालियों, सीवर लाइन, चैंबर, मैनहोल, सड़क बर्म, खुले स्थान की सफाई और सभी घरों (डोर टू डोर कलेक्शन सहित) और सड़कों से कचरा/कचरा एकत्र करना। 2. अजमेर मंडल में दिशा और स्थान पहचान साइन बोर्ड की आपूर्ति और स्थापना हेतु इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 08.11.2025 से 17.11.2025 सायं 6.00 बजे तक ऑनलाईन / ऑफलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की अन्य शर्तें वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://rhb.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
यू.बी.एन. नं.:- RHB2526WSOB00261 & RHB2526WSOB00262
राज.संवाद/सी/25/13416 उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय नगर विकास न्यास, अलवर (राज.)
क्रमांक :- लेखा/2025/9562 दिनांक :- 31/10/2025
NOTICE INVITING NIT – 29/2025-26
Construction of C.C road and WBM, park development and other Development work etc. 05-11-25 to 17-11-25 3.00 PM. Technical bid open 18-11-25 4.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state and www.uitalwar.in the approximate Value of the procurement is Rs. 649.00 lakhs.
UBN No. : UAL2526WSOB00318 To UAL2526WSOB00330
Raj.Samwad/C/25/13374 Executive Engineer UIT Alwar

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :–न.प.सु/विकास शाखा/2025/7540 दिनांक :– 31.10.2025
:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 17.11.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक (DLB2526WSOB23154) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/13323 नगर परिषद सुजानगढ

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण
भू-तल, पर्यटन भवन, संजय मार्ग (विधायकपुरी थाने के सामने), खासा कोठी, जयपुर-302001,
Tel:-0141-2615648/40, E-Mail : rhppa.jaipur@gmail.com
ई-निविदा सूचना संख्या 24/2025-26
निम्नलिखित कार्यो के लिए अनुभवी कंसलटेंट फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Consultancy Services for- Preparation of Detailed Project Report for development works, beautification and develop public facilities at Meera Bai Mandir, Merta, Nagaur Rajasthan. UBN is: HPP2526SLOB00031	20.00 Lakh	3 Months

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक निविदादाताओं को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।
राज.संवाद/सी/25/13354 मुख्य कार्यकारी अधिकारी

Rajasthan Water Grid Corporation Limited
(Formerly known as "Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited")
Sinchai Bhawan, JLN Marg, Jaipur 302017, Tel: 0141-2700669 Email: ceercpc@gmail.com
No. :- 5198 Date :- 31/10/2025
NIB No – RWGCL/ 41 /2025-26
Managing Director, RWGCL invites bid for the following works from interested bidders upto 29.10.2025 (06.00 PM). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp/ and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. UBN : ERP2526SLOB00049, 50, 51
1. Hiring of Consultancy Services for obtaining wildlife clearance from Ministry of Environment, Forest & climate change (MOEF&CC) for the work of Construction of the feeder from Khura Chainpura to Jaisamand Dam Alwar amounting Rs 15.65 Lacs.
2. Hiring of Consultancy Services for obtaining forest clearance from Ministry of Environment, Forest & climate change (MOEF&CC) for the work of Construction of the feeder from Isarda to Khura Chainpura to Bund Baretha dam Bharatpur amounting Rs 14.03 Lacs.
3. Hiring of Consultancy Services for obtaining wildlife clearance from Ministry of Environment, Forest & climate change (MOEF&CC) for the work of Construction of the feeder system from isarda dam to ramgarh Dam including all component amounting Rs 6.81 Lacs.
MD cum Chief Engineer
Raj.Samwad/C/25/13348 RWGCL, Jaipur Rajasthan

जंगलों से पेड़ उखाड़ने का प्रयास, चार जेसीबी जब्त

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र के खरवा वन विभाग के जंगलों से बड़ी मात्रा में पेड़ उखाड़ने के प्रयासों को ग्रामीणों की सजगता से विफल कर दिया। पेड़ उखाडने के कार्य में लगी चार जेसीबी मशीनों को जब्त कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार निकटवर्ती लीडी तथा लामाना के जंगलों में चार जेसीबी मशीन एक साथ पहुंची तथा जंगल में विलायती बबूल को उखाड़ने का काम शुरू कर दिया। ग्रामीणों को जेसीबी द्वारा पेड़ों को उखाड़ने का पता चला तो उन्होंने वन विभाग द्वारा विलायती बबूल उखाड़ने का कार्य ठेके पर देने की सोचा लेकिन जेसीबी संचालकों की कार्य प्रणाली पर संदेह होने पर उन्होंने वन विभाग को सूचना दी। क्षेत्रीय वन अधिकारी ओमप्रकाश मौके पर पहुंचे और उन्होंने जेसीबी संचालकों से पेड़ उखाड़ने की अनुमति के संबंध में पूछताछ की तो पता चला कि बिना अनुमति अवैध रूप से पेड़ उखड़े जा रहे थे। अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए चारों जेसीबी मशीन को अपने कब्जे में लेकर जप्त कर लिया तथा जेसीबी मशीनों को वन विभाग की खरवा नर्सरी में लाकर खड़ा करवा दिया। बाद में जेसीबी ऑपरेटरों द्वारा आधार कार्ड तथा आवश्यक दस्तावेज जमा करवाने पर जमानत पर छोड़ दिया, जबकि मशीनों को जब्त करके मामले की जानकारी नसीराबाद कोर्ट में दे दी।

ओमप्रकाश, क्षेत्रीय वन अधिकारी का कहना है कि ग्रामीणों द्वारा जंगल में पेड़ उखाड़ने की सूचना पर मौके पर पहुंचकर जानकारी ली तो पता चला कि बिना वैध अनुमति के अवैध रूप से पेड़ उखाड़े जा रहे है। कार्वाई करते हुए चार जेसीबी मशीन जब्त कर ली गई।

सड़क हादसे में दो बारातियों की मौत, छह घायल, हिसार रेफर

हादसे में स्कॉर्पियो गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

सड़क हादसे में हुये घायलों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया।

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाने के गांव राघा छोटी के पास गुरूवार व शुक्रवार की रात्रि को गांव कासनी से हमीरवास बारात में जा रहे बारातियों की स्कॉर्पियो गाड़ी को तेज गति व लापरवाही से चलाकर चालक द्वारा पलटाने के कारण दो जनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह जने घायल हो गये, जिन्हें पहले राजगढ़ के सरकारी अस्पताल व एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हिसार रेफर कर दिया।

■ बारातियों की स्कॉर्पियो गाड़ी को तेज गति व लापरवाही से चलाकर चालक द्वारा पलटाने से हादसा हुआ, वाहन चालक प्रवीण के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कारवाई की मांग की

स्कॉर्पियो गाड़ी के पलटने के सूचना पर एएसपी किशोरीलाल, राजेश कुमार सिहाग सीआई राजगढ़ व महेन्द्र कुमार हेड कास्टेबल मौके पर पहुंचे तथा घटना का जायजा लिया। वहीं शुक्रवार को मामला दर्ज होने के बाद प्रकरण का अनुसंधान अधिकारी रामावतार मीणा एसआई व महेन्द्र कुमार हैड कानि ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सौंप दिया है।

राजगढ़ थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि सतवीर पुत्र रेखाराम जाट निवासी गागडवास पुलिस थाना राजगढ़ जिला चूरू ने मामला दर्ज करवाया है कि छह अक्टूबर को उसके परिवार के सदस्य कासनी से हमीरवास शादी में जा रहे थे, जो वाहन स्कॉर्पियो में सवार थे, जिसको प्रवीण पुत्र जयसिंह निवासी गागडवास चला रहा था। उक्त वाहन में चालक के अलावा कृष्ण पुत्र पृथ्वीसिंह जाट निवासी गागडवास, सोमवीर पुत्र रामकिशन जाट निवासी बिडोला (हरियाणा) तथा सुरेन्द्र पुत्र मस्तान सिंह, अनुराग पुत्र सुखलाल, सुमित पुत्र विनोद, रवि पुत्र दलवीर गाड़ी में सवार थे। आरोप है कि वाहन चालक प्रवीण ने उक्त वाहन को बहल से राजगढ़ सड़क मार्ग पर रात्रि नौ बजे राघा छोटी गांव में गऊशाला के पास तेजगति व लापरवाही से चलाकर पलटी मरवा दी, जिसमे सभी के चोटें आई, जिसमें कृष्ण पुत्र पृथ्वीसिंह जाट निवासी गागडवास व सोमवीर पुत्र रामकिशन जाट निवासी बिडोला (हरियाणा) की मौत हो गई तथा अन्य को हिसार के अस्पतालों में रैफर करने पर भर्ती करवा रखा है। वहीं रिपोर्ट में बताया है कि वाहन चालक प्रवीण के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कारवाई की जावे। राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा प्रकरण का अनुसंधान रामावतार उनि. के सुपर्द की गई है। शुक्रवार दोपहर को मृतकों का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सौंप दिया है।

युवक की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र भुवाणा की पहाड़ियों में युवक की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रजेश्वर कॉलोनी जोडाजी बावजी भुवाणा निवासी सन्नी पुत्र मुकेश नायक की अकाल मौत हो गई। सन्नी गत दिनों से कलडवास स्थित दूध की कंपनी में काम करता था एवं गुरूवार को वह घर आया था। जहां सांय मित्रों के साथ जाने एवं दो तीन घंटे में लौटने की बात परिजनों को कहते हुए घर से निकला था। रात में वह घर नहीं लौटा दूसरे दिन मकान के पिछे स्थित पहाड़ियों में वह मृत हालत में पड़ा मिला। जिसके शरीर पर नशे के दौरान गिरने से खरोच के निशान पाए गए हैं। सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण, एएसआई महिपालसिंह मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

स्कॉर्पिओ गाड़ी में आग लगी, बाल-बाल बची सात जिंदगियां

नवलगढ़, (निसं)। उपखंड के देलसर-कुमावास रोड पर शुक्रवार को एक स्कॉर्पिओ गाड़ी अचानक आग से भभक उठी, जिससे ना केवल गाड़ी, बल्कि गाड़ी में रखा करीब 12 लाख रूपए का सामान भी जलकर राख हो गया। इस आग की चपेट में आए एक युवक व दो बच्चों को इलाज के लिए दूसरी गाड़ियों से झुंझुनूं ले जाया गया।

जानकारी के मुताबिक डाबड़ी

■ आग लगने से गाड़ी के दरवाजे हुए लॉक, विंडो से सभी के सभी बाहर निकले

■ गाड़ी में रखा करीब 12 लाख रूपए का सामान भी जलकर राख हो गया

आग लगने से स्कॉर्पिओ गाड़ी धूं-धूं कर जल गई।

बलौदा निवासी नदीम की भांजी का निकाह शुक्रवार को भोड़की गांव में था, जिसमें भात भरने के लिए नदीम अपने दोस्त विजेंद्र की स्कॉर्पिओ गाड़ी सहित अन्य गाड़ियों के साथ डाबड़ी बलौदा से रवाना हुआ। देलसर से निकलने के बाद जब कुमावास पहुंचा तो अचानक गाड़ी के बोनट में एक चिंगारी उठी और पलक झपकते ही गाड़ी के पीछे आग लग गई। गाड़ी की पीछे की सीट पर नदीम का दोस्त अजय के अलावा नदीम की 12 साल की बेटी आलिया तथा 13 साल की बेटी आरजू बैठी थी, जो आग की चपेट में आ गए। हालांकि गाड़ी के शीशे खुले हुए थे। इसलिए आग लगने के साथ जैसे ही गाड़ी लॉक हुई। गाड़ी चला रहे नदीम और उसके भाई अनवर पहले खुद, बाद में सभी को एक-एक कर सभी को विंडो से बाहर निकाला। इतने ही मौके पर ग्रामीण जमा हो गए। जिन्होंने पानी से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन उससे पहले गाड़ी में रखी नगदी, जेवरात और अन्य सामान जलकर राख हो गया। नदीम की बेटी आलिया और आरजू के अलावा दोस्त अजय हल्के से झुलस गए। जिन्हें झुंझुनूं अस्पताल ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। गाड़ी में इनके अलावा नदीम के भाई अनवर की 15 साल की बेटी तमन्ना और दूसरे भाई सद्दाम का तीन साल का बेटा अदनान भी था, जो सकुशल है। आग लगने के वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए हैं, जिनमें धूं-धूं कर जलती हुई स्कॉर्पिओ गाड़ी दिखाई दे रही है।

दुकान में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार : उदयपुर शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र जाड़ा गणेशजी चौक में स्थित दुकान से चोर नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जेठियों की बाड़ी निवासी ललित जैन पुत्र रूपलाल जैन की जाड़ा गणेशजी चौक में शुभम स्टूडियों नाम से दुकान है। शुक्रवार दोपहर में वह शटर आधा डालकर घर खाना खाने गया था। इस दौरान आए अज्ञात चोर खुला शटर देख दुकान में घुस कर कांउटर में रखी 70 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर अम्बामाता थानाधिकारी मुकेश सोनी के नेतृत्व में अनुसंधान अधिकारी एएसआई अशोक शर्मा ने आरोपी प्रहलाद पुत्र रामचन्द्र जाट तथा विशाल जायसवाल पुत्र जगदीश को गिरफ्तार किया। आरोपी नशा करने के आदी है।

स्कूल में घुसकर प्रिंसिपल के गले से चेन तोड़ फरार हुए बदमाश

अजमेर, (निसं)। शहर में चेन स्नैचर के हौसले लगातार बढ़ते दिख रहे हैं। शुक्रवार को बदमाशों ने सरकारी स्कूल के अंदर घुसकर प्रिंसिपल की सोने की चेन ही झपट ली। यह वारदात दौराई स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में हुई। घटना के बाद स्कूल स्टाफ में डर और गुस्से का माहौल है। यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

रामगंज थाना पुलिस के अनुसार धोलाभाटा निवासी पीड़िता नूतन लुहाड़िया सरकारी स्कूल दौराई में प्रिंसिपल हैं। स्कूल की चारदीवारी पर रंग-रोगन का काम चल रहा था। इसी

■ पुलिस सीसीटीवी कैमरे के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुटी

का निरीक्षण करने वह गेट के बाहर पहुंची थीं। तभी अचानक दो युवक हेलमेट पहनकर बाइक से स्कूल के गेट में सीधे अंदर घुस आए। दोनों युवकों ने पहले दुकान का पता पूछने का नाटक किया। प्रिंसिपल जैसे ही अंदर की तरफ बढ़ी, युवकों में से एक ने उनके गले पर झपट्टा मारा और सोने की चेन तोड़कर बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। चेन करीब 15 ग्राम की बताई जा रही है।

वारदात के बाद स्टाफ और छात्र सहमे नजर आए। इस दौरान स्कूल के बाहर और आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों में ये दोनों युवक बाइक पर जाते हुए कैद हो गए। पुलिस फुटेज खंगाल रही है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि दोनों बदमाशों का हुलिया उन आरोपियों से मिलता जुलता है, जिन्होंने कुछ दिन पहले किशनगढ़ में भी चेन स्नैचिंग की वारदात की थी। रामगंज थाना पुलिस सीसीटीवी कैमरों, मोबाइल लोकेशन और संदिग्ध दोपहिया की जानकारी के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी कर तलाश शुरू कर दी है।

बस में महिला के जेवर चोरी

उदयपुर, (निसं)। बस में सवार महिला के जेवरात चोरी होने पर पीड़िता ने हाथीपोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़िता सुशीलाल पत्नी गौरव शर्मा निवासी कविता बडगांव ने दर्ज प्रकरण में बताया कि 4 नवंबर शाम घर लाने के लिए मैं मावली से बस में बैठकर रवाना हुई। जहां से चेतक मोहता पार्क पर उतरी। इस दौरान देखा तो बैग से जेवरात गायब थे। सोने का हार, चूड़ियां, रखड़ी सहित करीब 8 तोला सोने के जेवर एवं चांदी का कंदोरा, अंगूठी, बिछियां गायब थी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/183 - 185 Date :- 30/10/2025
ई-निविदा सूचना संख्या : 52/2025-26
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	: रूपये 378.17 लाख (10 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	: 31.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 17.11.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	: 31.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 17.11.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	: 18.11.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2526WSOB00312 To ITU2526WSOB00321
अधिशाषी अभियन्ता - चतुर्थ
राज.संवाद/सी/25/13254 उदयपुर विकास प्राधिकरण

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लि.
रजि. कार्यालयः डी-ब्लॉक, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर, फोन नः 0141-2228060-61, फैक्स नः 0141-2228065, ई-मेल : edf-rmsc-rj@nic.in, CIN: U24232RJ2011SGC035067, Website : rmsc.health.rajasthan.gov.in
क्रमांक :- एफ.3( )/आरएमएससी/भण्डार/पैकर्स/2025-26/1209 दिनांक :- 29/10/2025
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना 05/2025
जॉब आधारित पैकर्स/हेल्पर्स सेवा कार्य हेतु ई-निविदा सूचना वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के 12 माह की अवधि के लिए
निगम द्वारा 12 माह हेतु जॉब आधारित पैकर्स/हेल्पर्स सेवा कार्य की दर संविदा हेतु प्रतिष्ठित एवं अनुभवी सेवा प्रदात्ता संस्थाओं/फर्मो से ई-निविदाएँ निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है:-

क्र. सं.	विवरण	अनु. राशि (₹ लाखों में)	बोली प्रतिभूति (bid security) (₹ लाखों में)	ई-निविदा शुल्क (₹)	RISL प्रोसेसिंग फीस (₹)	ई-निविदा प्रपत्र विक्रय की प्रारम्भ तिथि एवं समय	प्री-बिड मीटिंग की तिथि व समय	ई-निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि एवं समय	ई-निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	ई-निविदा प्रपत्र (तकनीकी बिड) खोलने की तिथि एवं समय
1.	जॉब आधारित पैकर्स/ हेल्पस सेवा कार्य	519.00	10.38	2360.00 (2000+18% GST)	2950.00 (2000+18% GST)	29.10.2025 05.00 PM बजे	03.11.2025 3.30 बजे	10.11.2025 06.00 PM बजे तक	11.11.2025 03.00 PM तक	11.11.2025 05.00 PM तक

ई-निविदा प्रपत्र वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं वेबसाईट www.dipronline.org, sppp.rajasthan.gov.in एवं rmsc.health.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। ई-निविदा ऑनलाईन इलेक्ट्रोनिक्स फोरमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ही प्रस्तुत की जाएगी। (UBN No-MSC2526SLRC00043) ई-निविदा प्रपत्र शुल्क राशि Rs.2360-00 (2000+18%GST), RISL प्रोसेसिंग फीस राशि Rs. 2950.00 (2000+18%GST) व बोली प्रतिभूति राशि Rs. 10.38 लाख के अलग-अलग डी.डी./बी.सी. दिनांक 11.11.2025 समय दोपहर 3.00 बजे तक निगम कार्यालय में जमा करवाना आवश्यक है।
कार्यकारी निदेशक (वित्त), आरएमएससी
राज.संवाद/सी/25/13350

प्रगति टी.टी. कॉलेज में वंदे मातरम् गीत की 150वीं जयंती पर विशेष आयोजन

कोटा, (निसं)। प्रगति शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय रीको रानपुर कोटा में शुक्रवार को वंदे मातरम् गीत की 150वी जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राध्यापिकाओं में देशभक्ति राष्ट्रीय एकता तथा सांस्कृतिक गौरव की भावना को प्रबल करना था। कार्यक्रम की शुरुआत में छात्राध्यापिकाओं द्वारा सामूहिक रुप से वंदे मातरम् गीत का भावपूर्ण गायन किया गया।

महाराव उम्मेद स्टेडियम में गूंजी वंदे मातरम् की स्वर लहरियां

- राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पर जिला स्तरीय कार्यक्रम

कोटा में वंदे मातरम् गीत की भव्य जयंति मनाई।

कोटा, (निसं)। राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर शुक्रवार को महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम देशभक्ति के जज्बे से सराबोर रहा। भारत माता के वंदन के इस उत्सव में सैकड़ों हाथों में लहराते तिरंगे और स्वर लहरियों के साथ भारत मां का गुणगान और नमन किया गया। इस अवसर पर शहीदों के परिजनों का सम्मान किया गया तथा प्रदर्शनी एवं स्वदेशी मेले का आयोजन भी हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि यह दिन हम सभी के लिए गर्व और प्रेरणा का प्रतीक है। 150 वर्ष पूर्व बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने जब 'वन्दे मातरम्' की रचना की, तब उन्होंने केवल एक गीत नहीं लिखा, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को स्वर दिया। यह गीत स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा बना, जिसने हर भारतीय के मन में मातृभूमि के प्रति प्रेम और त्याग की भावना जगाई। आज जब हम इस गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर नमन करते हैं, तो यह अवसर स्मरण के साथ संकल्प का भी है। आइए, हम सब मिलकर यह प्रण लें कि अपने कर्म और परिश्रम से आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे।

स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरक बना वंदे मातरम–उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह गीत समृद्ध शब्द और अर्थ गौरव के कारण स्वतंत्रता संग्राम का प्रमुख प्रेरक बन गया। राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रगीत वंदे मातरम् राष्ट्रगान जन-गण-मन के बराबर सम्मान प्राप्त है। भारत माता की स्तुति के इस गीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से पूरे देश में गुंजायमान करने का यह महत्ती कदम उठाया गया है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने स्वेदशी संकल्प एवं एकता दिवस की शपथ दिलाई।

मन, शरीर को नई ऊर्जा देता है राष्ट्रगीत-जिला प्रभारी मंत्री एवं सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा, स्वतंत्रता संग्राम में इस गीत को जब भी गाया जाता तो यह गीत एक नया जोश भर देता। आजादी के बाद इस गीत को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया गया। आज भी जब इसके स्वरों को हम दोहराते हैं तो हमारे मन, शरीर में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। इसका एक-एक शब्द हमें नई शक्ति देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उत्सव को राष्ट्रीय उत्सव बनाकर इस गीत के महत्व को हम सबको जानने का अवसर दिया है।

सदैव गुंजायमान रहेंगे वंदे मातरम के स्वर-शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि आज का दिन हम सबको प्रेरणा देता है। वंदे मातरम् मात्र एक गीत नहीं अपितु देश भक्ति का भाव जागने वाला गीत है। स्वतंत्रता संग्राम में इस गीत की ताकत को देखते हुए अंग्रेजी हुकूमत ने इस पर पाबंदी लगा दी थी। फिर भी यह गीत स्वतंत्रता का कारण बना जिसके स्वर हमेशा गुंजायमान रहेंगे, देशवासियों को प्रेरणा देते रहेंगे। राष्ट्रगीत को आत्मसात् करने की जरूरत-कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि यूं तो बहुत से देश प्रेम के गीतों ने स्वतंत्रता संग्राम में देश भक्ति का जज्बा भरा लेकिन 150 वर्ष पूर्व देशवासियों के हृदय को एकता के सूत्र में पिरोते हुए देश की समृद्धि और संपन्नता का बखान कर, भारत भूमि पर मर मिटने का जज्बा पैदा किया तो इस राष्ट्रगीत ने किया।

देहदानी स्व. अमिता भार्गव के पुत्र आकाश भार्गव सम्मानित

कोटा, (निसं)। समाजसेवी यज्ञदत्त हाड़ा ने बताया कि एक भव्य प्रोग्राम जो न्यू मेडिकल कॉलेज एनाटॉमी विभाग में मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल संगीता सक्सेना व एनाटॉमी विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ. जयसवाल मैडम, डॉ. आरुषि, डॉ. शैली, डॉ. राजेंद्र चौधरी व अन्य सम्मानित लोगों की उपस्थिति में हुआ।

जनरल नोटिस

अज अदालत न्यायालय जिला न्यायाधीश कोटा
बइजलास श्री सत्यनारायण व्यास
प्रार्थना पत्र क्रमांक : CM 91/2025

चन्द्रप्रकाश पुत्र नारायण लाल आयु 37 वर्ष निवासी 01, रामकिशन पोस्ट मास्टर पाबुजी मंदिर के पास, इन्द्रा गांधी नगर, डीसीएम उद्योगपुरी कोटा राजस्थान ...... प्रार्थी

- बनाम -

(1) शाखा प्रबंधक आईसीआईसीआई बैंक शाखा श्रीराम नगर कोटा राज. (2) शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक शाखा श्रीराम नगर कोटा राज. (3) सर्वसाधारण ...... प्रतिपक्षीगण

प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम वास्ते जारी किए जाने उत्तराधिकार प्रमाण पत्र

एतदद्वारा हर आम व खास को सूचना दी जाती है कि न्यायालय हाजा में प्रार्थी चन्द्रप्रकाश के द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर उनके ताऊजी स्व. श्री चौथमल पुत्र प्रभूलाल निवासी चौहान नर्सिंग होम के पास इन्द्रा गांधी नगर, कोटा की प्रतिपक्षी क्रम- 1 व 2 के यहां बचत खाते में जमाशुदा राशियां एवं एफडी आर के संबंध में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी करने के लिए निवेदन किया है। अतः हर आम व खास को सूचना दी जाती है कि यदि किसी को चन्द्रप्रकाश के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किए जाने में किसी प्रकार की आपत्ति हो वह इस न्यायालय के समक्ष दिनांक 24.12.2025 को समय 11:00 AM पर असालतन या वकालतन उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करवायें अन्यथा बाद में कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी और साकिब के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया चालू कर दी जायेगी। यह सूचना पत्र न्यायालय की मुद्रा एवं हस्ताक्षर से आज दिनांक 30 माह 10 वर्ष 2025 को जारी किया गया।

मुद्रा

न्यायालय के आदेश से
वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सेशन न्यायालय
कोटा (राज.)

राष्ट्र गीत वंदे मातरम के गायन का आयोजन

कोटा, (निसं)। कोटा मे एक समय एक साथ राष्ट्र गीत वंदे मातरम के गायन का आयोजन किया गया। जिसमे महाविद्यालय के कर्मचारियों एवं विधार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं राष्ट्रगीत का एक साथ गान किया। इस आयोजन पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.विरेन्द्र सिंह ने बताया की विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर एक साथ राष्ट्र गीत के गायन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। वंदे मातरम् का भारत के इतिहास मे अनोखा योगदान है जिसने भारत की स्वतंत्रता मे भाग लेने वाले स्वतंत्रता सेनानियों मे नई ऊर्जा का संचार किया था। वर्तमान पीढ़ी को भी इस गीत के गान के द्वारा भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाले सेनानियों को श्रद्धासुमन अर्पित करना चाहिए एवं देश के विकास मे अपना योगदान देने के लिए कृत संकल्पित होना चाहिए।

विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

कोटा, (निसं)। विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में जवाहरलाल नेहरु टीचर ट्रेनिंग कॉलेज, बंधा धर्मपुरा मैन रोड़, कोटा में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। जिसमें बी.एड. प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने विभिन्न मॉडल का प्रदर्शन कर अपनी विज्ञान के प्रति चेतना को प्रदर्शित किया।

मॉडल में चंद्रयान 3, बैटरी एवं विद्युत परीक्षण, विद्युत परिपथ संचालन, न्यूटन के गति के नियम, वेक्यूम क्लीनर, ज्वालामुखी, मानव हृदय आदि का प्रदर्शन किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन प्रोफेसर सपना जोशी के नेतृत्त्व में किया गया द्य महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.सुषमा सिंह ने विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये मॉडल्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने दैनिक जीवन में काम में आने वाले तथा वेस्ट चीजों से बेस्ट मॉडल्स का निर्माण किया हैं यह विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति रूचि को दिखाता हैं।

अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित दो तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सुल्तानपुर पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान मुखबीर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ 1 किलो 67 ग्राम गांजा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये तस्करों के पास से घटना में प्रयुक्त कार एवं तलाशी के दौरान 4300 रूपये बरामद किये है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि नशे के खिलाफ ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि सुल्तानपुर थानाधिकारी सत्यनारायण मालव के नेतृत्व में सुल्तानपुर थाने के सहायक उपनिरीक्षक सायबर सैल प्रभारी भुपेन्द्र सिंह मय जाप्ता इलाके में गश्त कर रहे थे।

हज यात्रा के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने उमरा की हज यात्रा कराने के नाम पर परिवादी सहित अन्य कई लोगों से धोखाधड़ी कर रूपये हडपने वाले शातिर आरोपी इकबाल हुसैन को जयपुर से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 13 अक्टुबर को न्यायालय से इस्तगासा प्राप्त हुआ जिसमें फरियादी कमरूद्दीन ने कहा कि आरोपी इकबाल हुसैन ने उससे संपर्क किया और कहा कि बाजिब दामों में अच्छी सुविधाओं के साथ उमराह व इराक के धार्मिक स्थानों की जियारत करवा दूंगा। इस्तगासे में फरियादी ने कहा कि आरोपी ने परिवादी से प्रत्येक व्यक्ति की उमराह धार्मिक यात्रा के लिये 65 हजार एवं ईराक की धार्मिक यात्रा के लिये 80 हजार की राशि बताई और कहा कि उक्त राशि में ही प्रत्येक व्यक्ति के लिये धार्मिक यात्रा में आना जाना तथा वीजा तथा उक्त धार्मिक स्थानों पर ठहरने व खाना खर्चा सहित पूरा पैकेज रहेगा। शहर एसपी ने बताया कि परिवाद में फरियादी ने कहा कि आरोपी ने विश्वास दिलाया कि टुरिस्ट वीजा एवं हवाई यात्रा व होटल बुकिंग के लिये उक्त पैकेज की प्रत्येक व्यक्ति को आधी राशि एडवांस में जमा करानी होगी। जिस पर विश्वास में आकर परिवादी ने स्वयं व अपनी पत्नी दोनों की उमराह व ईराक जियारत की धार्मिक यात्रा के लिये कुल राशि 2 लाख 90 हजार में से एक लाख रूपये नकद जमा करा दियें। शहर एसपी ने बताया कि परिवादी ने इस्तगासे में कहा कि आरोपी रूपये जमा करवाने के 15 दिन बाद घर पर आया और कहा कि 6 अक्टुबर को धार्मिक स्थल उमराह के लिये दिल्ली से हवाई यात्रा है एवं बाद में इराक जियारत की हवाई यात्रा होगी, परिवाद में कहा कि आरोपी ने वीजा, हवाई यात्रा के टिकिट व अन्य कागजात लेकर दिल्ली एयरपोर्ट पर लेकर आने की बात कही। फरियादी ने कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचकर आरोपी का काफी इंतजार किया और फोन पर संपर्क किया तो फोन बंद आ रहा था। परिवाद में कहा कि आरोपी ने उससे व अन्य 36 जनो से धार्मिक स्थानो की जियारत करवाने के नाम पर किसी व्यक्ति से 80 हजार तो किसी से 85 हजार जमा करवाये थे। शहर एसपी ने कहा कि प्राप्त इस्तगासे पर आरोपी इकबाल हुसैन के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश के लिये पुलिस उप अधीक्षक गंगासहाय शर्मा के सुपरविजन में रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया। शहर एसपी ने कहा कि गठित टीम ने तकनिकी आधार व मुखबीर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए चितौड़गढ़ निवासी इकबाल हुसैन को जयपुर से डिटेन कर पूछताछ के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

कार्यालय नगर निगम, कोटा-उत्तर

क्रमांकः-ननिको.(उ.)/भ.नि.अनु./जोन-द्वितीय/2025/15635-36 दिनांकः 7.11.25

सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री भानुप्रताप सिंह आमेरा पुत्र स्व. श्री चन्द्रदीप सिंह आमेरा निवासी-इन्द्रा गांधी नगर कोटा का क्षेत्रफल 322 वर्गफीट का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तानान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है।

आवास/भूखण्ड इन्द्रा गांधी नगर कोटा स्थित भूखण्ड का आवंटन कार्यालय नगर निगम कोटा द्वारा पट्टा क्रमांक 1095/224 दिनांक 05.08.2003 जिसका क्षेत्रफल 322 वर्गफीट श्री चन्द्रदीप सिंह आमेरा पुत्र श्री भंवर सिंह आमेरा के पक्ष में जारी किया गया था। श्री चन्द्रदीप सिंह आमेरा पुत्र श्री भंवर सिंह आमेरा की मृत्यु दिनांक 20.07.2025 को हो चुकी है। श्री चन्द्रदीप सिंह आमेरा पुत्र श्री भंवर सिंह आमेरा मृत्यु उपरान्त उनके विधिक वारीसान 1. श्रीमती बृजेश कंवर पत्नी स्व. श्री चन्द्रदीप सिंह आमेरा 2. श्री विश्वप्रताप सिंह आमेरा पुत्र स्व. श्री चन्द्रदीप सिंह आमेरा द्वारा रजिस्टर्ड हक त्याग-पत्र दिनांक 03.09.2025 को श्री भानुप्रताप सिंह आमेरा पुत्र स्व. श्री चन्द्रदीप सिंह आमेरा के पक्ष में निष्पादित किया गया।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार आवास/भूखण्ड इन्द्रा गांधी नगर कोटा द्वारा कुल क्षेत्रफल 322 वर्गफीट का नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त आवास/भूखण्ड इन्द्रा गांधी नगर कोटा का नाम हस्तान्तरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य कोई जो उक्त भूखण्ड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ती हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 07 दिवस में अपनी आपत्ती लिखित रूप से अधो-हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। उक्त निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आपत्ती मान्य नही होगी।

उपायुक्त नगर निगम कोटा उत्तर

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांकः-एफ11/विक्रय/2025/483 दिनांकः-6.11.25

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा द्वारा योजना मुकुन्दरा विहार आवासीय भूखण्ड संख्या 350 का आवंटन पत्र क्रमांक 228 दिनांक 15.10.2015 को श्री अंकित जैन पुत्र श्री धर्मचन्द जैन के नाम आवंटन किया गया था। आवंटी श्री अंकित जैन की मृत्यु दिनांक 30.07.2020 को हो गयी है। मृत्यु उपरान्त श्री अंकित जैन पुत्र श्री धर्मचन्द जैन के विधिक वारिसान द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड रिलीज डीड (हक त्याग पत्र), मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, अण्डरटेकिंग आईडी इत्यादि दस्तावेजों के आधार पर श्रीमती मंजू जैन पत्नी श्री धर्मचन्द जैन द्वारा उक्त भूखण्ड संख्या 350 मुकुन्दरा विहार अपने नाम हस्तान्तरण करने की स्वीकृति कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा से चाही जा रही है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपति प्रस्तुत कर दे, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड संख्या 350 योजना मुकुन्दरा विहार का नामहस्तान्तरण श्रीमती मंजू जैन पत्नी श्री धर्मचन्द जैन के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांकः-एफ11/विक्रय/2025/583 दिनांकः-06.11.25

नाम हस्तान्तरण बाबत आम सूचना

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा आवास/भूखण्ड संख्या-7 केशवपुरा-4 योजना का आवंटन प्राधिकरण के पत्र क्रमांक-171 दिनांक 17.02.1987 द्वारा श्री हरिराम पुत्र श्री श्योराम को आवंटित किया गया था। श्री हरिराम के द्वारा श्री महावीर सिंह पुत्र श्री घासी सिंह को उक्त भूखण्ड कि कार्यवाही के सम्बंध में मुख्तारआम नियुक्त किया गया। श्री महावीर सिंह पुत्र श्री घासी सिंह के द्वारा मुख्तारआम के आधार पर उक्त भूखण्ड का बैचान जर्ये विक्रय पत्र दिनांक 20.08.2010 को श्रीमती प्रभात कंवर पत्नि श्री महावीर सिंहं के द्वारा अपने नाम उक्त भूखण्ड का नाम हस्तांतरण हेतु आवेदन किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तांतरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति दर्ज करावे अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त आवास/भूखण्ड संख्या-7 केशवपुरा-4 योजना का नाम हस्तांतरण श्रीमती प्रभात कंवर पत्नि श्री महावीर सिंह नाम के कर दिया जावेगा।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांकः-एफ11 विक्रय/2025/484 **विज्ञप्ति** दिनांकः- 07.11.2025

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा की योजना श्रीनाथपुरम-सी पुनर्वास आवासीय भूखण्ड संख्या 40 को आवंटन/न्यास पत्र क्रमांक 186 दिनांक 29.12.1995 को श्री बाबूलाल बैरागी पुत्र श्री रामनारायण दास को आवंटन किया गया था। उक्त भूखण्ड की रजिस्ट्री जर्ये मुख्तारआम श्री रामबाबू सेन पुत्र श्री बजरंग लाल द्वारा कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा से चाही जा रही है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि इस रजिस्ट्री में किसी को कोई एतराज या आपति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड संख्या 40 योजना श्रीनाथपुरम-सी आवासीय की रजिस्ट्री श्री बाबूलाल बैरागी पुत्र श्री रामनारायण दास जर्ये मुख्तारआम श्री रामबाबू सेन पुत्र श्री बजरंग लाल के नाम जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग कोटा खण्ड कोटा

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त संबंधित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 131/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री सुधीर उपाध्याय पुत्र श्री मनमोहन उपाध्याय बालाजी कृपा कुंज 8 जनकपुरी कोटा जं. द्वारा राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अंतर्गत प्रन्यास "श्री राम मन्दिर प्रबन्ध समिति" कोटा जं. में प्रन्यासियों के परिवर्तन को प्रन्यास में दर्ज अभिलेख करने हेतु जांच किए जाने के लिए प्रपत्र संख्या 8 में आवेदन पत्र दिया है।

अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 30 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें।

और सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित प्रक्रिया अनुसार निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 04.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया। प्रकरण में आगामी सुनवाई की दिनांक 17.12.2025 है।

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग कोटा

पश्चिम मध्य रेल

NO.CG-450/CA/Misc.Corr.
Date :- 04-11-2025

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, कोटा मंडल, पश्चिम मध्य रेल्वे द्वारा स्टेशनों के परिभ्रमण क्षेत्र पर विज्ञापन, स्टेशनों पर विज्ञापन नॉन डिजिटल, स्टेशनों पर विज्ञापन डिजिटल, मोबाईल ऐसेट (इंजन और ट्रेन की बाहरी सतह पर विज्ञापन) और पी.एम.बी.जे.के. (प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र) हेतु ई-निलामी आंमत्रित की है। अधिक जानकारी हेतु वबसाईट www.ireps.gov.in पर प्राप्त कर सकते हैं।

हस्ता.
कृते वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,
पश्चिम मध्य रेल, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

क्रेडिट कार्ड स्वाइप कर धोखाधड़ी में लिप्त शातिर एग्ज़िक्यूटिव गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने क्रेडिट कार्ड स्वाप ईप कर धोखाधड़ी करने के मामले में कार्यवाही करते हुए शतिर एग्जिक्यूटिव को गिरफ्तार किया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 16 जुलाई को न्यायालय से प्राप्त इस्तागासे के आधार पर फरियादी आदिल खान ने परिवाद में कहा कि दो वर्ष पहले परिवादी ने अभियुक्त पवन मेहरा जो कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा राजभवन रोड़ कोटा में ऑनरोल कार्यरत है उससे एसबीआई क्रेडिट कार्ड बनवाया था। चूंकि उक्त कार्ड परिवादी के कोई विशेष काम नहीं आ रहा था, तो परिवादी ने जनवरी महीने में इस कार्ड को बंद करने के लिए एसबीआई कार्ड एप से कार्ड को बंद करने का प्रयास किया तो परिवादी को पता लगा कि परिवादी का उक्त कार्ड अस्थायी रूप से ब्लॉक किया जा चुका है। इस बात से परेशान होकर 7 फरवरी को परिवादी ने अभियुक्त पवन मेहरा से सम्पर्क किया और उसे पूरी बात बताई तो अभियुक्त पवन मेहरा ने कहा कि अगर आप कार्ड को पूर्ण रूप से बंद करना चाहते हो तो इसे पहले अन ब्लॉक करना पड़ेगा और कस्टूमर केयर पर फोन करने के लिए परिवादी का फोन ले लिया और फिर फोन अपने पास ही रख लिया और कहा कि दो-तीन दिन में समस्या का समाधान कर दूंगा। इस प्रकार पवन मेहरा ने परिवादी का कार्ड अपने पजेशन में ले लिए इसके पश्चात 7 फरवरी को ही परिवादी से कार्ड लेने के बाद उसमे एक दुकान पर इस कार्ड को स्वाईप किया जिसका मैसेज द्वारा पता चला कि इस कार्ड से दो ट्रांजेक्शन जो कि पहला 63,099/- रूपये व दूसरा 41000/- रूपये का था। इस पर परिवादी ने तुरंत अभियुक्त पवन मेहरा से इस विषय में बात की तो उसने फोन पर उक्त कार्ड को इस्तेमाल करने की बात कही और उसने प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए कहा कि चार दिन में उसके पैसे वापस आ जायेगे। परिवाद मे कहा कि इसके पश्चात अगेल दिन 8 फरवरी को फिर एक ओर ट्रांजेक्शन उक्त कार्ड से 14 हजार रूपये का हुआ। परिवादी ने कहा कि अभियुक्त ने मुझे कोई रकम अदा नहीं की एवं परिवादी का फोन उठाना तक बंद कर दिया। शहर एसपी ने बताया कि इस्तगासे के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान किया गया।

जिसमें सामने आया कि अभियुक्त ने प्रारम्भ से ही परिवादी के साथ धोखा व छल करने के आशय से योजनापूर्वक क्रेडिट कार्ड दिया एवं इसे पूर्ण रूप से बंद करने के बहाने परिवादी का कार्ड ले लिया और उसका अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर कार्ड का दुरूपयोग किया एवं परिवादी की रकम 1,28,000/- रूपये निकाल लिए। जो मांगने पर भी नहीं लौटाये गये। शहर एसपी ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में लगी टीम को पीडित द्वारा पुलिस को सूचना मिली कि उनके क्रेडिट कार्ड को बनाने वाला व्यक्ति पीडित के क्रेडिट कार्ड का दुरुपयोग कर स्वाईप मशीन के माध्यम से राशि निकाल रहा है।

सड़क सुरक्षा अभियान को लेकर की मिटिंग

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाको में सड़क हादसों को देखते हुए राज्य सरकार व पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर ग्रामीण इलाको में 18 नवम्बर तक चलाये जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान को देखते हुए ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने समस्त वृत्ताधिकारियों व सभी थानों के थानाधिकारियों की बैठक ली। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि ग्रामीण इलाको में सड़क हादसों को देखते हुए समस्त वृत्ताधिकारियों व थानाधिकारियों को शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालको के विरूद्ध, गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के खिलाफ, तेज गति और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वालों के खिलाफ, बिना हेलमेट दुपहिया वाहन चालकों के खिलाफ सहित बिना सीटबेल्ट के वाहन चलाने वालो के विरूद्ध अधिक से अधिक कार्यवाही करने एवं लाईसेन्स निरस्त की कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं।

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांकः-एफ-15/कृ.भू.रू./2025/1365 **विज्ञप्ति** दिनांकः-7.11.2025

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम रामपुरा में स्थित कृषि भूमि योजना गुलाबबाडी खसरा नं. 181 से 185 में स्थित भूखंड संख्या 13 आवेदक/आवेदिका श्री बसंत कुमार जैन पुत्र श्री सुरेन्द्र कुमार जैन निवासी मेमजीन स्कूल रोड लाडपुरा जिला कोटा राज. द्वारा पट्टा जारी करने हेतु प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत पत्रावली में संलग्न दस्तावेज अनुसार खातेदार रामस्वरुप पुत्र श्री विशना द्वारा उक्त भूखंड का बैचान जर्ये इकरारनामा दिनांक 16.08.1984 को श्रीमती अरुणा देवी पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार जैन को किया गया। क्रेता अरुणा देवी की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 09.01.2018 एवं पति सुरेन्द्र कुमार जैन की मृत्यु दिनांक 13.11.2024 को हो चुकी है। मृतक के विधिक वारिसान पुत्र बसंत कुमार जैन, पुत्री रितु जैन, उमा जैन है। वारिसान रितु जैन, उमा जैन द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर आवेदक के पक्ष में पट्टे जारी करने हेतु निवेदन किया गया है।

अत: श्री बसंत कुमार जैन पुत्र श्री सुरेन्द्र कुमार जैन के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)

पता :- सी0ए0डी0 सर्किल, दशहरा ग्राउण्ड, कोटा
ई-मेल :- nnksouth@gmail.com website. Kotamc.org

क्रमांकः- ननिकोद/उपा.रा./2025/7941-42 दिनांकः- 03.11.2025

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा जारी ई-निविदा सूचना दो वर्ष 2025-26 व 2026-27 (कार्यादेश से दो वर्ष हेतु) के लिये ई-निविदा सूचना क्रमांक 7904-7916 दिनांक 24.10.2025 के द्वारा ऑनलाईन निविदा कार्य का नाम अवैध यूनिपोल, होर्डिंग्स, बैनर पोस्टर (सम्पत्ति विरूपण) हटाने हेतु आमन्त्रित की गई थी। उक्त निविदा को तकनीकी कारणों से निरस्त किया जाता है।

सूचित हो!

उपायुक्त राजस्व
नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/13304

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)

क्रमांकः-नपबा/भूमि रुपां./2025/7064 दिनांकः- 7.11.25

भू-उपयोग परिवर्तन विज्ञप्ति

नगरीय विकास विभाग की समय समय पर जारी परिपत्र/अधिसूचना के तहत बनाये गये राजस्थान नगरीय क्षेत्र (भू उपयोग परिवर्तन नियम) के अन्तर्गत सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निर्धारित प्रक्रिया अनुसार निम्न प्रकरण का भू-उपयोग परिवर्तन हेतु जिला स्तरीय/राज्य स्तरीय भू उपयोग परिवर्तन समिति में रखा जाना प्रस्तावित हैं। उक्त भूमि के भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को आपत्ति हो तो 15 दिवस में नगर परिषद कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। प्रकरण का विवरण निम्नानुसार है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम खसरा नं.	जोनल प्लान (जॉन बी) में भू-उपयोग	प्रस्तावित भू-उपयोग परिवर्तन	क्षेत्रफल	विशेष विवरण
1.	श्रीमती तारा गुप्ता पत्नी श्री मदनलाल निवासी डा. गिरधर गोपाल जी की गली राजपुरा वार्ड बारां तह. व जिला बारां (राज.)	नलका खसरा नं. 826/333,827/333 शुभम एन्क्लेव भूखंड संख्या 03	सड़क मार्गाधिकार के बाद मिश्रित पश्चात आवासीय	आवासीय से व्यवसायिक	325.28 वर्गमीटर	

आयुक्त नगर परिषद बारां

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)

क्रमांकः-नपबा/भूमि रुपां./2025/7063 दिनांकः- 7.11.25

भू-उपयोग परिवर्तन विज्ञप्ति

नगरीय विकास विभाग की समय समय पर जारी परिपत्र/अधिसूचना के तहत बनाये गये राजस्थान नगरीय क्षेत्र (भू उपयोग परिवर्तन नियम) के अन्तर्गत सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निर्धारित प्रक्रिया अनुसार निम्न प्रकरण का भू-उपयोग परिवर्तन हेतु जिला स्तरीय/राज्य स्तरीय भू उपयोग परिवर्तन समिति में रखा जाना प्रस्तावित हैं। उक्त भूमि के भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को आपत्ति हो तो 15 दिवस में नगर परिषद कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। प्रकरण का विवरण निम्नानुसार है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम खसरा नं.	जोनल प्लान (जॉन बी) में भू-उपयोग	प्रस्तावित भू-उपयोग परिवर्तन	क्षेत्रफल	विशेष विवरण
1.	श्री मनोज कुमार विजय पुत्र श्री ब्रजमोहन निवासी विवेकानन्द पार्क के सामने कोटा रोड बारां तह. व जिला बारां (राज.)	नलका खसरा नं. 344 एकल भूखंड	सड़क मार्गाधिकार के बाद मिश्रित पश्चात आवासीय	आवासीय से व्यवसायिक	460.03 वर्गमीटर	

आयुक्त नगर परिषद बारां

यातायात नियमों की सख्ती से पालना पर हुई चर्चा

- ओवरलोड बाल वाहिनियों को जब्त करें-जिला कलक्टर

कोटा, (निसं)। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा 3 नवम्बर को आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना में 4 नवम्बर से शुरू हुए 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान को लेकर जिला कलक्टर पीयूष समारिया, पुलिस अधीक्षक शहर तेजस्वनी गौतम, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर एवं अन्य अधिकारियों ने बैठक में अभियान के तहत सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं यातायात नियमों की सख्ती से पालना के लिए किए जा रहे उपायों पर चर्चा की। बैठक में जिला कलक्टर ने परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षमता से अधिक बच्चों को बिठाकर ले जाने वाली बाल वाहिनियों को जब्त किया जाए और अभिभावकों को समझाया जाए कि अपने बच्चों को ओवरलोड बाल वाहिनी में नहीं भेजें। शहर पुलिस अधीक्षक ने ट्रैफिक पुलिस को स्कूल टाईम पर बाल वाहिनियों को जांच करने एवं सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसमें परिवहन विभाग का सहयोग लेने को कहा।

दरा में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारें-जिला कलक्टर ने हाईवे पर अवैध रूप से बने कट बंद करने एवं सड़क किनारे बने अवैध ढाबों के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि कोटा बाईपास पर सात अवैध कट बंद किए गए हैं। कोटा-बारां रोड पर 8 अवैध कट बंद कर दिए गए हैं, बाकी को बंद करने की कार्यवाही की जा रही है। जिला कलक्टर ने दरा में अबली मीणी के महल से लेकर आगे सकड़ी सड़क होने और डिवाइडर नहीं होने से दुर्घटना की आशंका को देखते हुए सड़क चौड़ी करने एवं डिवाइडर बनाने का काम शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने दरा में पिछले दो माह में ट्रैफिक की व्यवस्था सुधारने के लिए किए गए प्रयासों के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि वन विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर यह सड़क चैड़ी करने एवं डिवाइडर बनाने का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। प्रवेश मार्गों पर भारी वाहन की नो-एंट्री बोर्ड लगाएं-उन्होंने सड़कों पर बने ब्रेकर पर व्हाइट मार्किंग करने, भारी वाहनों के शहर में प्रवेश को रोकने के लिए नो-एंट्री के बोर्ड शहर में प्रवेश वाले पॉइंट्स पर लगाने, हाइट बेरियर लगाने, रिफेलेक्टिव साइन बोर्ड लगाने, सड़क पर बने अतिक्रमण हटाने, 45 वर्ष से अधिक आयु के भारी वाहनों चालकों की आंख की जांच करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने रेलवे स्टेशन के पास, नयापुरा चौराहा एवं एरोड्रम सर्किल के पास लगातार जाम की स्थिति बने रहने पर ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिए कि बसें बीच में रोकने पर चालान किया जाए और ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए वहां पुलिस कर्मी लगाए जाएं। भारी वाहन चालकों से ओवरटाईम नहीं कराएं-बैठक में श्रम विभाग की संयुक्त निदेशक शमिता जैन ने बताया कि विभाग द्वारा ट्रांसपोर्ट कम्पनी ऑनर्स एसोसिएशन एवं ट्रक यूनियन से जुड़े प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित कर भारी वाहनों चालकों से 8 घंटे प्रतिदिन से अधिक एवं सप्ताह में 48 घंटे से अधिक वाहन नहीं चलवाने और उन्हें साप्ताहिक अवकाश देने के बारे में समझाईश की गई। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जागरूक करने के साथ ही उनसे वचन पत्र भी भरवाया गया कि ट्रक चालकों से ओवर टाईम नहीं करवाएंगे। बैठक में एडीएम प्रशासन वीरेन्द्र सिंह यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा, उपायुक्त नगर निगम भावना सिंह, जिला परिवहन अधिकारी मनीष कुमार शर्मा, एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप अग्रवाल, डीएसपी ट्रैफिक अशोक कुमार मीणा, एसई पीडब्ल्यूडी जेपी गुप्ता सहित सड़क सुरक्षा अभियान से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण
भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण (AERA)

भारत सरकार/Government of India
तीसरी मंजिल, उड़ान भवन, सफदरजंग हवाई अड्डा, नई दिल्ली-110003
फोनः 011-24695044

सार्वजनिक नोटिस

स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, रायपुर के लिए द्वितीय नियंत्रण अवधि (01.04.2025-31.03.2030) हेतु वैमानिकी सेवाओं हेतु टैरिफ निर्धारण पर हितधारकों की परामर्श बैठक

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (एईआरए) ने 30.10.2025 को परामर्श पत्र संख्या 04/2025-26 जारी किया है (जो एईआरए की वेबसाइट यूआरएल www.aera.gov.in पर उपलब्ध है) जो स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, रायपुर के लिए द्वितीय नियंत्रण अवधि (01.04.2025 - 31.03.2030) के लिए वैमानिकी सेवाओं हेतु टैरिफ निर्धारण के संबंध में है।

ARRA अधिनियम, 2008 की धारा 13 (4) के प्रावधानों के अनुसार, परामर्श पत्र में निहित टैरिफ निर्धारण के संबंध में ARRA के विभिन्न प्रस्ताव हितधारकों के परामर्श के लिए प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इस संबंध में हाइब्रिड मोड (भौतिक/ऑनलाइन) में एक हितधारक परामर्श बैठक 14 नवंबर, 2025 (शुक्रवार) को दोपहर 2:30 बजे निर्धारित हैः

हितधारक कक्ष, तीसरी मंजिल, उड़ान भवन, सफदरजंग हवाई अड्डा, नई दिल्ली 110003

यात्रियों/यात्री संघों, आम जनता, हवाई अड्डा संचालकों, एयरलाइंस, उद्योग संघों/निकायों, कार्गो के लिए स्वतंत्र सेवा प्रदाताओं, ग्राउंड हैंडलिंग ईंधन फार्म आदि जैसे सभी हितधारकों से अनुरोध है कि वे उक्त बैठक में शामिल हों और स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, रायपुर के टैरिफ प्रस्ताव पर उपरोक्त परामर्श पत्र पर अपने बहुमूल्य सुझाव/टिप्पणियां/विचार दें।

व्यक्तिगत रूप से शामिल होने वाले प्रतिभागी 12 नवंबर, 2025 तक अपना नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर, वाहन संख्या सहित ARRA को ईमेल द्वारा (director- ps@aera.gov.in और satish.kr@aera.gov.in पर) अपनी पुष्टि भेज सकते हैं। भागीदारी के लिए ऑनलाइन लिंक ARRA की वेबसाइट (https://aera.gov.in) पर हितधारकों की बैठक से पहले "समाचार और घोषणाएँ" टैब के अंतर्गत साझा किया जाएगा।

एसडी/-
सचिव, ऐरा

CBC 03112/12/0011/2526

खेल जगत

मैट इस टीम का एक अहम सदस्य और हमारे तेज गेंदबाजी आक्रमण का सबसे अनुभवी अगुआ है, इसलिए वनडे और टेस्ट मैचों के लिए उनका टीम में वापस आना बहुत अच्छा होगा। - रॉब वाल्टर

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच, मैट हेनरी की वापसी को लेकर बोलेते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶ जहानारा आलम

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने तेज गेंदबाज जहानारा आलम द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए एक कमेटी गठित करने का फ़ैसला किया है। जहानारा ने यह आरोप लगाया है कि 2022 वनडे विश्व कप के दौरान एक पूर्व चयनकर्ता का बर्ताव उनके साथ ठीक नहीं था। बोर्ड ने समिति को यह स्पष्ट आदेश दिया है कि वह 15 कार्यदिवसों के अंदर अपनी पूरी जांच रिपोर्ट और सुझाव सौंप दे। बीसीबी ने कहा है कि जांच कमिटी के रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। बीसीबी ने अपने बयान में कहा, ''बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड मीडिया में आई रिपोर्ट्स को लेकर चिंतित है।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहला टेस्ट क्रिकेट मैच 31 अक्तूबर 1976 को बैंगलोर में वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था जबकि पहला एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय 1 जनवरी 1978 को कलकत्ता में।

आईसीसी बैठक में पहुंचे पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन

दुबई, 7 नवंबर। सभी तरह की अटकलों को विराम देते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आज हो रही बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे। एशिया कप में विजेता भारतीय टीम को ट्रॉफी नहीं सौंपने के मुद्दे के बीच आज मोहसिन नकवी दुबई में स्थिति आईसीसी के मुख्यालय पहुंचे। नकवी हाल ही में आईसीसी बैठक से दूर रहे हैं, जिसमें जुलाई में सिंगापुर में हुई सालाना कॉन्फ्रेंस भी शामिल है। इसलिए इस बार भी उनके आने को लेकर संदेह था। पीसीबी के प्रमुख पर हाल ही में भारत द्वारा जीती गई एशिया कप ट्रॉफी अपने पास रखने का आरोप है। वह आज अपराह्न आखिरी मिनट में आईसीसी की बैठक में पहुंचे। ऐसा माना जा रहा है कि बैठक में अनसुलझे मुद्दे पर चर्चा चल रही थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि जब तक यह ट्रॉफी भारतीय टीम को नहीं दी जाती, तब तक वह चुप नहीं बैठेगा। आज शाम इसको लेकर गंभीर चर्चा होने की उम्मीद है।

अंतर्राष्ट्रीय वुशू खिलाड़ी मुकेश चौधरी, जहान्वी मेहरा व नीतिका बंसल का हुआ सम्मान

जयपुर, 7 नवम्बर। राष्ट्रगीत वन्देमातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजस्थान सरकार की ओर से आज दिनांक 07 नवम्बर 2025 को सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम मे वुशू खिलाडियों को सम्मानित किया गया। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि माननीय श्रीमान भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार व माननीय श्रीमान राज्यवर्धन सिंह राठोड खेलमंत्री, राजस्थान सरकार ने वुशू के अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी मुकेश चौधरी को वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक, जहान्वी मेहरा को एशियन वुशू प्रतियोगिता में कांस्य पदक व नितिका बंसल को एशियन वुशू प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीत कर तिरंगे व देश का नाम रोशन करने पर सम्मानित किया गया।

ब्रिस्बेन में सीरीज कब्जाने उतरेगा भारत

ब्रिस्बेन, 7 नवंबर। शनिवार को गाबा में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज का आखिरी मैच धमाकेदार होने वाला है, जहां भारत 2-1 की मामूली बढ़त के साथ उतरेगा। दांव आसमान छू रहे हैं, और जहां ऑस्ट्रेलिया सीरीज बराबर करने के लिए पूरी ताकत झोंक देगा, वहीं भारत आत्मविश्वास के साथ इस निर्णायक मैच में सीरीज कब्जाने उतरेगा।

ऑस्ट्रेलिया के सामने एक कठिन चुनौती है। ट्रैविस हेड और जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में उनकी आक्रामक क्षमता कमज़ोर पड़ गई है। मिशेल मार्श को मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड और ग्लेन मैक्सवेल के साथ मिलकर भारत के खिलाफ आक्रमण की कमान संभालनी होगी।

गेंदबाज़ी में, नाथन एलिस और एडम जम्पा पर भारत की मजबूत लाइनअप को ध्वस्त करने की ज़िम्मेदारी होगी। गाबा में यह एक जानी-पहचानी कहानी है - घरेलू मैदान का फ़ायदा मायने रखता है, लेकिन भारत इस दौरे में किसी भी तरह का समझौता नहीं कर रहा है। इस बीच, भारत लय में है। अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने धमाकेदार प्रदर्शन किया है, जबकि शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव क्रीज पर संयम बनाए हुए हैं। वाशिंगटन सुंदर और जितेश शर्मा जैसे निचले क्रम के बल्लेबाज जरूरत पड़ने पर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह अगुआ बने हुए हैं और किसी भी साझेदारी को ध्वस्त करने में सक्षम हैं।

इतिहास बताता है कि गाबा लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम के पक्ष में है। पिछले पांच घरेलू टी20 मुकाबलों में सभी मैच बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम के नाम रहे हैं, और 180-190 के प्रतिस्पर्धी स्कोर के साथ, टॉस निर्णायक हो सकता है - खासकर जब बादल छाए हों और गरज के साथ बारिश हो सकती हो। उम्मीद है कि कप्तान नई गेंद का इस्तेमाल करेंगे।

अगर भारत पावरप्ले में अपनी क्षमता साबित कर सके और ऑस्ट्रेलियाई टीम को बैकफुट पर रख सके, तो उसके पास सीरीज़ 3-1 से अपने नाम करने का अच्छा मौका है। ऑस्ट्रेलिया को मैच में बने रहने के लिए शुरुआती सफलताओं और मार्श तथा डेविड के दमदार योगदान की जरूरत होगी।

दोनों टीमें जीत की भूखी हैं, ऐसे में प्रशंसक ब्रिस्बेन की रोशनी में एक रोमांचक टी20 मैच की उम्मीद कर सकते हैं। निर्णायक मैच एक साझेदारी, तेज गेंदबाजी या बाउंड्री की झड़ी पर निर्भर हो सकता है - और यही गाबा में क्रिकेट को इतना रोमांचक बनाता है।

टीमें - ऑस्ट्रेलिया: मिशेल मार्श, मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंगलिस, टिम डेविड, जोश फिलिप, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, बेन ड्वार्शुइस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, एडम जम्पा, मिशेल ओवेन, मैथ्यू कुहनेमन, तनवीर संघा, महली बियर्डमैन।

भारत: अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, जितेश शर्मा, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा।

प्रसिद्ध कृष्णा की अगुवाई में गेंदबाजों ने दिलाई भारत-ए को बढ़त

बेंगलुरु, 7 नवंबर। प्रसिद्ध कृष्णा (तीन विकेट), मोहम्मद सिराज और आकाश दीप (दो-दो विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के दम पर भारत ए ने शुक्रवार को दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच के दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 221 के स्कोर पर समेटने के बाद स्टंप्स के समय पहली पारी में तीन विकेट पर 78 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 112 रनों की हो गई है। भारत ए के पहली पारी में 255 रन के स्कोर के जवाब में आज सुबह दक्षिण अफ्रीका ए बल्लेबाजी की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र आठ ओवर में 12 रन पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। लेसेगो सेनोक्वाने (शून्य) और टेम्बा बावुमा (शून्य) को आकाश दीप ने, ज़ुबैर हम्जा (आठ) को सिराज ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान मार्केस ऐकरमैन ने जॉर्डन हरमन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने जॉर्डन हरमन (26) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद मार्केस ऐकरमैन को छोड़कर कोई भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का सामना अधिक देर तक नहीं कर सका। इस दौरान मार्केस ऐकरमैन ने अपना शतक पूरा किया। प्रीनेलान सुब्रायेन (20) रनआउट हुये। 48वें ओवर की तीसरी गेंद पर हर्ष दुबे ने मार्केस ऐकरमैन को आउट कर 221 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत कर दिया। इसी के साथ भारत ए को 34 रनों की बढ़त मिल गई। मार्केस ऐकरमैन ने 118 गेंदों में 17 चौके और पांच छक्के लगाते हुए 134 रन बनाये। भारत ए के लिए प्रसिद्ध कृष्ण ने तीन विकेट लिये। मोहम्मद सिराज और आकाश दीप को दो-दो विकेट मिले। कुलदीप यादव और हर्ष दुबे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में अभिमन्यु ईश्वरन (शून्य) का विकेट गंवा दिया। उन्हें ओकुह्ले सेले ने पगबाधा आउट किया। भारत का दूसरा विकेट साई सुदर्शन (23) के रूप में गिरा। उन्हें टियान वैन वुरेन ने पगबाधा आउट किया। 23वें ओवर में ओकुह्ले सेले ने देवदत्त पड़िक्कल (24) को आउटकर भारत ए को तीसरा झटका दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय भारत ए ने तीन विकेट पर 78 रन बना लिये है और उसकी कुल बोत 112 रनों की हो गई है। केएल राहुल (नाबाद 26) और कुलदीप यादव बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए ओकुह्ले सेले ने दो विकेट लिये। टियान वैन वुरेन को एक विकेट मिला।

भारत ने हांगकांग सिक्सर्स में पाक को दो रन से हराया

हांगकांग, 7 नवंबर। रॉबिन उथप्पा (28), भरत चिप्ली (24) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने शुक्रवार को हांगकांग सिक्सर्स टूर्नामेंट 2025 के पूल सी के वर्षा बाधित मुकाबले में डकवर्थ-लुईस पद्धित से पाकिस्तान को दो रनों से शिकस्त दी। आज यहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह ओवर में चार विकेट पर 86 रन बनाए, जिसमें रॉबिन उथप्पा के 11 गेंदों में 28 रन और भरत चिप्ली के 13 गेंदों में 24 रनों का योगदान दिया। इसके अलावा कप्तान दिनेश कार्तिक ने छह गेंदों में नाबाद 17 रन बनाकर भारत को एक प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। वर्षा बाधित इस मैच में, भारत ने धैर्य बनाए रखते हुए करीबी जीत हासिल की। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद शहजाद ने दो विकेट लिये। अब्दुल समद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। पाकिस्तान की पारी की शुरुआत अच्छी रही और तीन ओवर के बाद जब उसका स्कोर एक विकेट पर 41 रन था, तभी भारी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। उसके बाद खेल नहीं हो सका और डीएलएस पद्धित के अनुसार पाकिस्तान को दो रन हार का सामना करना पड़ा।

धोनी आईपीएल 2026 में खेलेंगे : सीएसके

चेन्नई, 7 नवम्बर। एमएस धोनी का आईपीएल से संन्यास अभी बाकी है और भारत के इस महान क्रिकेटर का अगले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलना तय है। इस बात की पुष्टि खुद फ्रेंचाइजी की ओर से हुई है, सीईओ काशी विश्वनाथन ने क्रिकबज को बताया, ''यह सही है,'' जबकि जानकारी सामने आई है कि संजू सैमसन का व्यापार मुद्दा फिर से सीएसके की चर्चा का विषय बन गया है। विश्वनाथन, जो 2008 में फ्रेंचाइजी की स्थापना के बाद से ही इसके साथ जुड़े हुए हैं - बिल्कुल धोनी की तरह - ने हाल ही में एक युवा प्रशंसक को आगामी सीजन के लिए सीएसके के इस करिश्माई खिलाड़ी की उपलब्धता के बारे में बताया। शुक्रवार को, उन्होंने इस वेबसाइट से बात दोहराते हुए कहा, ''एमएस ने हमें बताया है कि वह अगले सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे।'' धोनी की तरह, विश्वनाथन भी पांच बार की चैंपियन टीम की रीढ़ रहे हैं और फ्रेंचाइजी के मालिक एन श्रीनिवासन के करीबी विश्वासपात्र भी हैं। हालाँकि पिछले कुछ वर्षों से धोनी (44) का आईपीएल में खेलना किसी भी सीजन से पहले एक बार-बार उठने वाला सवाल रहा है, लेकिन सीएसके के सीईओ की पुष्टि से कम से कम 2026 के संस्करण के लिए अटकलों पर विराम लग जाना चाहिए।

मैट हेनरी की न्यूजीलैंड टीम में वापसी

आकलैंड, 7 नवम्बर। मैट हेनरी वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूज़ीलैंड टीम में वापसी कर रहे हैं। हेनरी पिछले हफ़्ते पिंडली में खिंचाव के कारण इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो वनडे मैचों में नहीं खेल पाए थे और फिलहाल वनडे और उसके बाद होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम से गुजर रहे हैं। इस बीच, 32 वर्षीय ब्लेयर टिकनर, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे वनडे में लगातार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था, टीम में अपनी जगह बरकरार रखते हैं। टिकनर ने दो मैचों में 12.25 की औसत से आठ विकेट लिए थे। उस सीरीज से पहले, टिकनर ने 2023 के बाद से न्यूज़ीलैंड के लिए कोई वनडे मैच नहीं खेला था। हालांकि, न्यूज़ीलैंड की चोटों की सूची लंबी होती जा रही है, मोहम्मद अब्बास (पसलियां), फिन एलन (पैर), लॉकी फर्ग्यूसन (हैमस्ट्रिंग), एडम मिल्ने (टखना), विल ओरूर्के (पीठ), ग्लेन फिलिप्स (ग्रोइन) और बेन सियर्स (हैमस्ट्रिंग) चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। केन विलियमसन को चयन के लिए नहीं चुना गया क्योंकि वह 2 दिसंबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारी शुरू कर रहे हैं।

हमारे शत्रु बाहरी नहीं हैं, इस बात को समझने की जरूरत है : राज्यसभा सांसद मीनाक्षी जैन

सांसद जैन ने जयपुर डायलॉग की ''शत्रुबोध'' थीम पर 10वीं तीन दिवसीय समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जानी-मानी इतिहासवेत्ता और राज्यसभा सांसद मीनाक्षी जैन ने कहा कि हमारे शत्रु बाहरी नहीं हैं, इस बात को समझने की जरूरत है। वे शुक्रवार को जयपुर के जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर स्थित एक होटल में जयपुर डायलॉग की ''शत्रुबोध'' थीम पर 10वीं तीन दिवसीय समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं।

सांसद मीनाक्षी जैन ने कहा कि इतिहासवेत्ताओं ने ईमानदारी से इतिहास लिखा लेकिन उसमें कुछ छुपाया नहीं गया। न ही इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा गया। परंतु आजादी के बाद हमारे इतिहासवेत्ताओं को मार्क्सवादियों ने कम्युनल बताया और मूल इतिहास के सिलेबस को ही गायब कर दिया गया। देश के असली इतिहास को विपरीत इतिहास में बदल दिया गया और धीरे-धीरे दिल्ली विश्वविद्यालय जेएनयू और अलीगढ़ के सिलेबस से यह सब गायब हो गए। हमको यह समझना चाहिए कि भाई शत्रु कहां है हमारा इतिहास बिल्कुल विपरीत लिखा गया, हमें शत्रुओं का बोध होना चाहिए।

इससे पहले सांसद मीनाक्षी जैन ने दीप प्रज्वलित कर जयपुर डायलॉग समिट का शुभारंभ किया।

''शत्रुबोध'' थीम पर गुरूवार से शुरू हुए जयपुर डायलॉग समिट में चेयरपर्सन संजय दीक्षित व अन्य वक्ताओं ने चर्चा की।

तीन दिवसीय समिट के पहले दिन मुख्य हॉल सहित अलग-अलग जगहों पर विभिन्न विषयों पर 14 सत्र आयोजित किए गए। जयपुर डायलॉग के चेयरपर्सन संजय दीक्षित की पुस्तक ''ऑल रिलीजंस आर नोट सेम'' के हिंदी संस्करण (सभी धर्म समान नहीं) का विमोचन भी किया गया।

प्रथम सत्र में ''भारत मस्ट नेम, एक्सपोज एंड कॉन्फ्रेंस इट्स सिविलाइजेशन एनीमीज'' विषय पर वरिष्ठ पत्रकार भाऊ तोरसेकर, अनुपम मिश्रा, ओमकार चौधरी, अभिषेक तिवारी और बाबा रामदास ने शत्रुओं की समय रहते पहचान करने और विकास की ओर फैलाए जा रहे नैरेटिव पर करारा प्रहार किया।

द्वितीय सत्र में दक्षिणी एशियाई देशों बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका में जिओ पालिटिक्स तथा जेन जेड़ के विरोध-प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे देश में भी विपक्ष की ओर से इस तरह के प्रयास किया जा रहे हैं, हमें शत्रुओं से सावधान रहना होगा। दोपहर बाद तीसरे सत्र में थिंक टैंक्स की ओर से शिक्षा के माध्यम से की जा रही भारत विरोधी गतिविधियों पर सांसद मीनाक्षी जैन, एस्थर धनराज, प्रोफेसर भारत गुप्त, आभास मालदहियार, नीलेश ओक और चिंतक कुंदन सिंह ने संबोधित किया। चौथे सत्र में ब्रेकिंग इंडिया फोर्सज, टुकड़े-टुकड़े गैंग, देश के आंतरिक शत्रु तथा नक्सली और इस्लामिस्ट नेटवर्क विषय पर संजय दीक्षित, नाजिया खान अभिजीत मित्रा अभिजीत चावाड़ा, पंकज सक्सेना और अविनाश धर्माधिकारी ने खुलकर देश विरोधी ताकतों और शत्रुओं का खुलासा किया।

■ जयपुर डायलॉग समिट में पहले दिन ''शिक्षा, भ्रष्टाचार और सिविक सेंस के सवाल'' उठे

''इन ब्यूरोक्रेसी होल्डिंग बैक मोदी एंड इंडिया'' ओपन माइक चैनल सेशन में अविनाश धर्माधिकारी, उदय माहिरकर, सेवियो रॉड्रिक्स, राहुल सूर और संजय दीक्षित ने चर्चा की।

चर्चा में भ्रष्टाचार पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार हमारे समाज में इस कदर व्याप्त है कि परिवार के लोग भी उसके लिए दबाव बनाते हैं। भ्रष्टाचार हमारे समाज, व्यवस्था और लोकतंत्र का कैंसर है। इसके समाधान का रास्ता शिक्षा से शुरु होता है।

लिहाजा शैक्षिक नीति निर्माण करने वाले अधिकारियों का चरित्र भी इतना मजबूत हो, कि वे नेशन फर्स्ट की भावना को जागृत कर पाएं। वक्ताओं ने बताया कि डीबीटी की शुरुआत मोदी सरकार ने बहुत अच्छी की, लेकिन सक्षम अधिकारियों की अनदेखी के कारण आदिवासी गांव में ये योजनाएं सही मायने में नहीं पहुंच पाई।

150 यूनिट प्रतिमाह नि:शुल्क बिजली योजना संचालन के लिए दिशा-निर्देश जारी

रूफ टॉप सोलर पर अब राज्य सरकार से मिलेगी 17 हजार रूपए की अतिरिक्त सब्सिडी

जयपुर(कासं)। राजस्थान डिस्कॉम्स ने 150 यूनिट प्रतिमाह नि:शुल्क बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विस्तृत संचालन दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना में पंजीकृत घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा से प्रतिमाह 150 यूनिट नि:शुल्क बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। प्रथम चरण में यह लाभ उन उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनके पास रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए घर की छत उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि 13 अक्टूबर को पोर्टल के शुभारम्भ के बाद रूफ टॉप सोलर लगाने के लिए अब तक 1 लाख 66 हजार 355 से अधिक विद्युत उपभोक्ता अपनी सहमति दर्ज करा चुके हैं।

■ 13 अक्टूबर को पोर्टल के शुभारम्भ के बाद रूफ टॉप सोलर लगाने के लिए अब तक 1 लाख 66 हजार 355 से अधिक विद्युत उपभोक्ता अपनी सहमति दर्ज करा चुके हैं।

जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार उपभोक्ता रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगवाकर संयंत्र की क्षमता के अनुसार पीएम सूर्यघर योजना में देय केन्द्रीय अनुदान (अधिकतम 78 हजार रूपए) प्राप्त करेंगे। न्यूनतम 1.1 किलोवाट के संयंत्र पर उन्हें राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 17 हजार रूपए की सब्सिडी भी दी जाएगी, जो डिस्कॉम द्वारा सत्यापन के पश्चात प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते में भेजी जाएगी।

योजना में वही घरेलू उपभोक्ता अतिरिक्त राज्य सब्सिडी के लिए पात्र होंगे, जो पहले से मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना में पंजीकृत हैं तथा जिनके पास रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए स्वयं की छत उपलब्ध है। ऐसे उपभोक्ताओं को राजस्थान डिस्कॉम की वेबसाइट तथा मोबाइल एप पर सहमति के लिए पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए उन्हें पीएम सूर्यघर योजना के राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर एम्पेनल्ड वेंडर का चयन करना होगा। रूफ टॉप सोलर सिस्टम अपनी स्वामित्व वाली छत पर ही स्थापित कराना होगा। रूफ टॉप संयंत्र की आपूर्ति और स्थापना का कार्य पीएम सूर्यघर योजना में एम्पैनल्ड वेंडर द्वारा किया जाएगा। डिस्कॉम के संबंधित सहायक अभियंता द्वारा निरीक्षण कर रूफ टॉप संयंत्र स्थापित किए जाने का सत्यापन किया जाएगा।

'भारत में ''बंटोगे तो कटोगे'' का नारा अभी 1000 साल तक चल सकता है'

जयपुर। जयपुर डायलॉग के पहले दिन शुक्रवार को ''डू हिंदू इनफ्लुएंसर एक्चुअली अंडरस्टैंड सनातन (सेकुलर कथावाचक)'' सैशन हुआ। इस ओपन माइक सैशन में कार्तिक गौर, विनोद कुमार और अनुज भारद्वाज ने चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि ''बंटोगे तो कटोगे'' का नारा भारत में अभी और 1000 साल तक चल सकता है।

सोशल मीडिया, फिल्म मेकर, यू ट्यूबर, इनफ्लुएंसर के माध्यम से जनमानस में पैठ बनाने वालों पर तंज कसते हुए कहा कि ये स्वयं को हिंदुइज्म बोलते हैं, जबकि वास्तव में हिंदुत्व है। यह क्रिस्टीनिज्म और इस्लामिज्म से अलग है। इनमें कथित पत्रकार और इतिहासकार भी शामिल है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग ज्योतिष के जरिए हिंदुत्व को गिरा रहे हैं। सिर्फ लोकप्रिय होने के लिए ज्योतिष और इतिहास की गलत व्याख्या कर रहे हैं। जबकि आंतरिक सुरक्षा को सर्वोपरि रखना चाहिए। हमें जागना और जागना होगा। स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति लोकतंत्र में हमें फायदा दे रहा है या नुकसान यह सोचना होगा।

सैशन में प्रियांक कानूनगो और हर्ष ने चर्चा करते हुए कहा कि वामपंथी देशों ने सोशल मीडिया के जरिए लिव इन और पोर्न की लत लगाने का प्रयास किया है। ताकि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्वस्त किया जा सके। बालिकाओं के प्रति कम्युनल जेंडर क्राइम हो रहा है। यह तब है जबकि दूसरे देशों में 38 वर्ष के मुकाबले भारत में काम करने वालों की एवरेज आयु 29 वर्ष है। भारत में 90 करोड़ की युवा आबादी सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि सामाजिकता की लडाई लड़ने के लिए स्वयं के विचारधारा को विकसित करना होगा। सोशल मीडिया के सही उपयोग के लिए स्वदेशी प्लेटफार्म विकसित करने होंगे।

सांसद तिवाड़ी ने अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया

सीकर/जयपुर। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वंदे मातरम् पर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत जी इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं, और राष्ट्रगीत को भी राजनीति के दायरे में घसीट रहे हैं।

तिवाड़ी ने कहा कि 'वंदे मातरम्' गीत देश के स्वतंत्रता सेनानियों में आज़ादी की चेतना जगा रहा था, यह गीत तभी से भारत के क्रांतिकारियों के लिए एक मंत्र और प्रेरणा का स्त्रोत बन गया। कांग्रेस के अधिवेशन में मौलाना अली, शौकत अली जैसे नेताओं ने इसका विरोध किया था। इसके बाद में वंदे मातरम् को धर्म से जोड़ने की कोशिश की गई, जो कि पूरी तरह गलत और दुर्भाग्यपूर्ण था। तिवाडी ने कहा कि 1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम् गीत की रचना की। 1882 में आनंदमठ में प्रकाशित हुआ, जिसमें इस गीत को प्रमुख स्थान मिला। 1905 बंग-भंग आंदोलन के समय यह गीत स्वदेशी आंदोलन का प्रेरणास्त्रोत बन गया। सांसद घनश्याम तिवाड़भ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर यह आयोजन राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर अशोक गहलोत और कांग्रेस सच में राष्ट्रभक्ति की भावना रखते हैं, तो उन्हें इस आयोजन में शामिल होकर देश के साथ खड़ा होना चाहिए था, न कि इससे दूरी बनानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रवादी विचारधारा वाली पार्टी है और वंदे मातरम् गीत के प्रति उसकी आस्था श्रद्धा और राष्ट्रसेवा की भावना से जुड़ी है। भाजपा इस गीत को राजनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और प्रेरणा का प्रतीक मानती है। तिवाड़ी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत भारत के हर नागरिक के दिल में बसता है। यह किसी पार्टी की नहीं, बल्कि पूरे देश की राष्ट्रभावना का प्रतीक है। भाजपा इस गीत के माध्यम से देशभर में राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश देती रहेगी।

■ वंदे मातरम् किसी दल की नहीं, देश की राष्ट्रभावना का प्रतीक : तिवाडी

मुख्यमंत्री ने खरीफ फसल खराबे में कृषि अनुदान को दी स्वीकृति

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस वर्ष अतिवृष्टि से खरीफ फसल के नुकसान के संबंध में संवेदनशील निर्णय लिया है। जिसके तहत उन्होंने प्रभावित 6 जिलों के किसानों के लिए अनुदान वितरण की स्वीकृति दी है। निर्णय के अनुसार, प्रभावित किसानों को एसडीआरएफ से कृषि अनुदान वितरण करने की मंजूरी दी गई है। इसके लिए 6 जिलों की 40 तहसील के 2 हजार 961 गांवों को अभावग्रस्त घोषित करने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील निर्णय से अजमेर, अलवर, झुंझुनूं, कोटा, पाली और बांसवाड़ा जिले के आठ लाख से अधिक किसानों को राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राष्ट्रगीत "वन्दे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

वंदे मातरम् ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को स्वर दिया- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने एसएमएस स्टेडियम में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि यह समारोह केवल उत्सव नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को गीत की मूल क्रांतिकारी भावना से जोड़ना है।**

जयपुर, 7 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम सभी राष्ट्रीय चेतना के महान गीत "वन्दे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने के साक्षी बन रहे हैं तथा अमर काव्य की वंदना कर रहे हैं। वन्दे मातरम् ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को स्वर दिया, जिसने करोड़ों भारतीयों के हृदय में राष्ट्रप्रेम की ज्वाला प्रज्ज्वलित की। उन्होंने कहा कि यह केवल एक गीत नहीं है बल्कि हमारी सामूहिक चेतना, हमारी आत्मा की पुकार तथा मातृभूमि के प्रति हमारी अनंत श्रद्धा का प्रतीक है। शर्मा शुक्रवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राष्ट्रगीत के 150 वर्षों का ऐतिहासिक उत्सव मना रहे हैं। युवा भारत के भविष्य हैं, राष्ट्र की आशा हैं और इस महान विरासत के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की अंतरिम सरकार की घोषणा के समय भी वन्दे मातरम् गाया था। क्रांतिकारी जब फांसी के तख्ते पर चढ़ते थे तो उनके होठों पर भी वन्दे मातरम् होता था। अंग्रेज इस गीत से इतने भयभीत थे कि इसे सार्वजनिक रूप से गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

शर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार ने 1 अक्टूबर को वन्दे मातरम् के 150वें वर्ष के राष्ट्रव्यापी समारोह की स्वीकृति देकर ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह समारोह केवल उत्सव नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन है, जिसका उद्देश्य हमारे नागरिकों को, विशेषकर हमारी युवा पीढ़ी और विद्यार्थियों को इस गीत की मूल क्रांतिकारी भावना से जोड़ना है।

मुख्यमंत्री ने वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर एसएमएस स्टेडियम में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिसमें 1857 की क्रांति व भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों के योगदान से संबंधित जानकारी एवं विकसित भारत से संबंधित पेंटिंग्स दिखाई गईं।

इसके पश्चात उन्होंने वन्दे मातरम् सैण्ड आर्ट को भी देखा। समारोह में शर्मा ने प्रदेश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त गायक पीयूष पंवार ने राष्ट्र भक्ति के गीतों की सुरमयी प्रस्तुति दी। साथ ही, ड्रोन से स्टेडियम में पुष्प वर्षा की गई। संपूर्ण कार्यक्रम में आमजन, प्रतिभागियों, स्कूली छात्र-छात्राओं एवं कलाकारों ने एक स्वर में भारत माता की जय और वन्दे मातरम् के जयकारों से पूरे आयोजन को जोश से भर दिया। राजस्थान के लोक कलाकारों ने वाद्ययंत्रों के माध्यम से विशेष प्रस्तुतियां दी। लोगों ने केसरिया साफा पहनकर एवं हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर राष्ट्र सेवा की भावना से ओतप्रोत होकर विकसित भारत के विजन को मजबूत बनाया। शर्मा ने सभी लोगों को आत्मनिर्भर भारत की शपथ भी दिलाई। मुख्यमंत्री ने जब आसमान में गुब्बारे छोड़े तो पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति की भावना से सराबोर हो उठा।

इस अवसर पर युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, सांसद व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, घनश्याम तिवाड़ी, राव राजेन्द्र सिंह, मंजू शर्मा तथा विधायकगण सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं, युवा व आमजन उपस्थित थे।

ग्रेट ईस्टर्न रिटेल पर 51 हजार का हर्जाना

- **जिला उपभोक्ता आयोग ने एक ग्राहक के परिवाद पर आदेश दिये।**

जयपुर, 7 नवंबर। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने सेवादोष के एक मामले में ग्रेट ईस्टर्न रिटेल पर 51 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। वहीं एसी इंस्टालेशन चार्ज की राशि 2145 रुपए व डिस्काउंट की बकाया राशि 2000 रुपए परिवाद दायर करने की तारीख से 9 प्रतिशत ब्याज सहित परिवादी को देने का निर्देश दिया है। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीणा व सदस्य सुप्रिया अग्रवाल ने यह आदेश रामप्रकाश कुमावत के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी ग्रेट ईस्टर्न रिटेल की स्कीम व छूट से प्रभावित होकर 22 मई 2025 को विपक्षी के यहां एक एसी खरीदने के लिए गया। परिवादी ने वोल्टास का 42 हजार रुपए का एसी पसंद किया तो विक्रेता ने उसे बताया कि एसी खरीदने पर डिलीवरी व इंस्टालेशन फ्री मिलेगा। वहीं, क्रेडिट कार्ड से खरीद पर 5 हजार रुपए का डिस्काउंट व एक्सटेंडेड वारंटी मिलने की बात भी कही। परिवाद में कहा गया कि विपक्ष विक्रेता का यह कृत्य सेवा दोष की परिभाषा में आता है। ऐसे में उसे मुआवजा और परिवाद खर्च के साथ-साथ अदा की गई राशि दिलाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने विक्रेता पर हर्जाना लगाया है।

चीन के युद्ध पोतों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टेक ऑफ सिस्टम, जहाज के विमानों को पारंपरिक "स्काई जंप" सिस्टम के बिना भी अधिक भार उठाने में सक्षम बनाता है। ऐसी प्रणाली केवल कुछ अमेरिकी विमानवाहक पोतों में ही मौजूद है। इसके अलावा, फुजियान में हथियार प्रणालियों और उच्च तकनीक वाले उपकरणों का एक विशाल भंडार है, जो इसे समुद्र में एक शक्तिशाली व दुर्जेय दुश्मन बनाता है।

दुनिया भर के मीडिया और रणनीतिक विशेषज्ञों ने इस नए पोत के शामिल होने पर गहराई से ध्यान दिया है और यह चर्चा शुरू हो गई है कि यह अमेरिका की नौसेना के लिए किस तरह की चुनौती पेश करेगा। संख्या के मामले में चीन की नौसेना कहीं आगे निकल चुकी है, हालांकि कई विशेषज्ञ मानते हैं कि तकनीकी और रणनीतिक क्षमता में अमेरिका अब भी चीन से आगे है।

जो बात अमेरिका के लिए चिंता का विषय है, वह भारत के लिए तीन गुना ज्यादा चिंताजनक है। चीन अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की मौजूदगी को परख रहा है। उसके जहाज अब नियमित रूप से हिंद महासागर में दिखाई देने लगे हैं, जो कि परंपरागत रूप से भारतीय नौसेना का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है।

चीन ने अफ्रीका के पूर्वी तट पर अपनी मौजूदगी दर्ज कर ली है और उसका निगरानी क्षेत्र मलक्का जलडमरूमध्य (मलक्का स्ट्रेट्स) से लेकर दक्षिण चीन सागर तक फैल गया है। यह वही इलाका है, जो भारतीय नौसेना की प्रमुख रुचि का क्षेत्र है। कुछ दिन पहले ही भारतीय नौसेना के उप प्रमुख ने नौसेना के सामने मौजूद चुनौतियों और उसकी निगरानी क्षमताओं का विस्तृत विवरण दिया था।

लेकिन, निश्चित रुप से इस जहाज के लॉंच होने से अमेरिका के लिए चिंताएं और बढ़ गई हैं। पहले ही अमेरिका उस तेज रफ्तार से हैरान है, जिस गति से चीन ने अपनी नौसेना में नए जहाज जोड़े हैं।

संख्या के हिसाब से चीनी नौसेना अब अमेरिकी बेड़े से कम से कम 20 प्रतिशत बड़ी है। इसके अलावा, चीन के शिपयार्ड्स में नए जहाजों के निर्माण की क्षमता अमेरिका और अन्य देशों की तुलना में कहीं अधिक है।

यह नया पोत निकट भविष्य में प्रशांत महासागर के उन इलाकों में तैनात किया जाएगा, जहां हाल के महीनों में चीनी गश्ती जहाजों और अन्य देशों के जहाजों के बीच झड़पें बढ़ गई हैं। चीन लगातार अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्रों और वैश्विक समुद्री मार्गों के बड़े हिस्सों पर अपना "संप्रभु क्षेत्र" होने का दावा कर रहा है। इससे दक्षिण चीन सागर के आसपास के देशों के साथ गंभीर तनाव बढ़ रहा है।

चीन पूरे दक्षिण चीन सागर को अपना विशेष समुद्री क्षेत्र बता रहा है, जबकि इस सागर के तट पर कई अन्य देशों की सीमाएँ हैं और उनके अपने समुद्री अधिकार हैं। कुछ महीने पहले चीन का फिलीपींस से विवाद हुआ था और इंडोनेशिया व वियतनाम के साथ भी लगातार तनाव बना हुआ है।

इन हालात ने चीन को न केवल अपने पड़ोसी देशों से, बल्कि दुनिया भर के अन्य समुद्री देशों से भी टकराव की स्थिति में ला दिया है। हाल ही में हुई ऐसी ही एक मुठभेड़ में ऑस्ट्रेलिया ने शिकायत की कि चीनी जहाजों ने उनके पोतों के आसपास गैर-पेशेवर तरीके से पैंतरेबाजी की और चालक दल व अन्य लोगों की जान को खतरे में डाला। तथापि, मौजूदा समय में चीन इस क्षेत्र के अन्य लोगों की शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

शी जिनपिंग चीन के साम्राज्यवादी विचार को प्राथमिकता दे रहे हैं और अब इस पुराने साम्राज्य को उसके अधिकतम विस्तार तक फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें लगभग पूरा दक्षिण पूर्व एशिया, आसपास के समुद्री क्षेत्र और विशेषरुप से सिलीगुड़ी कॉरिडोर सहित, भारत का संपूर्ण उत्तर-पूर्वी क्षेत्र शामिल है।

ऐसे दृष्टिकोण के साथ, चीन का कई देशों से टकराव होना तय है, और भारत इससे अछूता नहीं रह सकता। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि भविष्य में चीन के साथ किसी संभावित टकराव के लिए वह पूरी तैयारी करे।

भारत को ऐसे टकराव और आमने-सामने की टक्कर से बचने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिए, जब तक कि वह आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति के मामले में चीन के बराबर नहीं पहुँच जाता।

आरएएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्मिक विभाग के साल 2008 के परिपत्र के तहत, निलंबन से बहाल होने पर अधिकारी पदोन्नति का अधिकारी होता है। इस परिपत्र के आधार पर दो आईएएस अफसरों को भी आपराधिक मामला लंबित होने के बावजूद पदोन्नति दी गई है। ऐसे में अपीलार्थी को पदोन्नति नहीं देना गलत है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, अदालत ने अपीलार्थी का लिफाफा खोलने के आदेश दिए हैं।

फीफा ट्रंप को शांति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह पुरस्कार उस समर्थन और सहयोग के बदले किये गये एक प्रतिदान के रुप में देखा जा सकता है।

ट्रम्प के लिए यह एक सुनहरा अवसर होगा। वाशिंगटन के कैनेडी सेंटर में एक भव्य समारोह, जहां वे, उनकी छवि में चार चांद लगाने वाले, इस "वैश्विक सम्मान" को प्राप्त करने वाले राजनेता के रूप में प्रस्तुत होंगे, वो भी ऐसे समय पर, जब वे देश में अपनी सत्ता मज़बूत करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन फीफा के लिए इस कदम का औचित्य समझाना शायद बहुत मुश्किल होगा। कतर की मेज़बानी विवादों से लेकर प्रायोजन घोटालों तक, अपनी छवि चमकाने के इस संगठन के पिछले प्रयास अक्सर उल्टे पड़े हैं।

नोबेल पुरस्कार की महत्ता उसकी राजनीति से दूरी में निहित है। उसकी समितियों ने हमेशा सरकारों को चुनौती देते हुये, सोवियत असंतुष्टों चीनी कार्यकर्ताओं या युद्ध क्षेत्रों में काम करने वाले मानवीय संगठनों को सम्मानित किया है। लेकिन फीफा की संरचना ही ऐसी है कि वह इस तरह की निष्पक्षता का दावा नहीं कर सकता। इसके फैसले प्रसारण सौदों, राष्ट्रीय संघों और व्यावसायिक साझेदारों से प्रभावित होते हैं।

इस असंतुलन के कारण नोबेल और फीफा की तुलना अपने आप में ही अन्यायपूर्ण है, और यह नोबेल के साथ अन्याय भी है। खेल प्रशासन के गलियारों में पैदा हुआ पुरस्कार कभी भी उस पुरस्कार की नैतिक शक्ति का वाहक नहीं हो सकता, जिसकी जड़ें वैश्विक अंतरात्मा में पैठ चुकी हैं।

सच कहा जाए तो फुटबॉल ने दुनिया के बिखरे समाजों में मेल-मिलाप की भूमिका निभाई है। अफ्रीका के युद्धग्रस्त इलाकों से लेकर जॉर्डन के शरणार्थी शिविरों तक, इस खेल ने एकता और उम्मीद के पल दिए हैं। अगर फीफा ऐसी पहलों और प्रयासों - सामुदायिक कोचों, शरणार्थी खिलाड़ियों या खेल के माध्यम से शांति अभियानों - को सम्मानित करे, तो यह पुरस्कार सचमुच सार्थक बन सकता है। लेकिन अगर इसे किसी राजनीतिक दिग्गज को दिया गया, तो ध्यान शांति से हटकर प्रचार पर चला जाएगा।

जब इन्फेंटिनो 5 दिसंबर को विजेता की घोषणा करेंगे, तो उस घोषणा में जितना विजेता के बारे में बताएगा जायेगा, उतना ही फीफा के बारे में भी। अगर पुरस्कार ट्रम्प को मिला, तो यह साफ हो जायेगा कि कैसे शांति को भी एक तमाशा बनाया जा सकता है।

नोबेल शांति पुरस्कार भले ही पूर्ण न हो, पर यह अब भी नैतिकता का मानदंड बना हुआ है। फिलहाल, फीफा का यह नया पुरस्कार, कम से कम अभी के लिए, एक जनसंपर्क प्रयोग जैसा दिखता है, जिसे नैतिकता का जामा पहना दिया गया है।

शराबी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारी ने अपना पक्ष रखते हुए गिरफ्तार आरोपी को रिमांड पर भेजने के पक्ष रखा। तमाम जिरह सुनने के बाद डंपर चालक को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस प्रकरण में अगली सुनवाई 21 नवंबर को रखी गई है।

कोर्ट की कार्रवाही के दौरान ही चौमूं बार एसोसिशन ने बड़ा फैसला लेते हुए डंपर चालक कल्याण मीणा की ओर से किसी भी तरह की कोई पैरवी नहीं करने का निर्णय लिया।

'वंदे मातरम्' कांग्रेस की बैठकों का हमेशा हिस्सा रहा है- खड़गे

- **उन्होंने कहा कि आरएसएस की शाखाओं व बैठकों में यह गीत कभी नहीं गाया गया।**

नयी दिल्ली, 07 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वंदे मातरम् गीत को राष्ट्र की सामूहिक आत्मा को जागृत करने वाला स्वतंत्रता संग्राम का उद्घोषक गीत बताते हुए, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) तथा भाजपा पर हमला किया और कहा कि राष्ट्रभक्ति का डंका पीटने वाले इस संगठन के लोगों ने अपनी शाखाओं में और बैठकों में इस गीत को कभी नहीं गाया।

खड़गे ने वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को एक सन्देश में कहा कि 1896 में कलकत्ता में कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान, तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष रहमतुल्ला सयानी के नेतृत्व में, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने पहली बार सार्वजनिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया था और तब इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन में नयी ऊर्जा भर दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ब्रिटिश साम्राज्य की फूट डालो और राज करो नीति को समझती थी और उस समय अंग्रेजों की इस नीति के विरुद्ध वंदे मातरम् अटूट शक्ति का गीत बनकर उभरा, जिसने सभी भारतीयों को भारत माता की भक्ति में शक्ति के रूप में एक सूत्र में बांध दिया था। फिर 1905 के बंगाल विभाजन से लेकर स्वतंत्रता सेनानियों के अंतिम सांसों तक वंदे मातरम् की गूंज पूरे देश में सुनाई देने लगी। यह गीत लाला लाजपत राय के प्रकाशन का शीर्षक था, भीकाजी कामा के उस तिरंगे पर अंकित था जो उन्होंने जर्मनी में फहराया।

पूर्व विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि अपीलार्थी को जमानत मिलने के बाद उसने जुलूस निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया था। हाईकोर्ट ने भी इस आधार पर केस को धौलपुर से जयपुर ट्रांसफर किया था। आरोपी मंत्री और तीन बार विधायक रह चुका है। ऐसे में इन जिलों में वह दबदबा रखता है। इसलिए अपील को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने अपील को खारिज कर दिया है।

सरकार ने पुणे में विवादास्पद भूमि सौदे को रद्द कर दिया है- अजीत पवार

मुंबई, 07 नवंबर। पुणे के विवादित भूमि सौदे को लेकर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस विवादास्पद लेनदेन को रद्द कर दिया है। विपक्षी दलों की तरफ से इस्तीफे की मांग और विवाद बढ़ने के बीच शुक्रवार को अजीत पवार ने कहा, उनके बेटे पार्थ और उनके व्यावसायिक साझेदार ने पुणे में जमीन खरीदी। हालांकि, दोनों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि पुणे में उनकी कंपनी जो जमीन खरीद रही है, वह सरकारी संपत्ति है।

विवाद के बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलने पहुंचे पवार ने पत्रकारों को बताया कि सौदे की जांच के लिए सरकार ने समिति गठित की है। इसकी रिपोर्ट एक महीने के भीतर आ जाएगी। इससे पहले सरकार पुणे के इस जमीन सौदे से संबंधित दस्तावेजों का पंजीकरण रद्द कर चुकी है। अधिकारियों को संबंधित हलफनामा भी सौंपा जा चुका है। डिप्टी सीएम ने यह भी कहा कि इस सौदे में एक भी रुपये का लेन-देन नहीं हुआ है। पवार ने बताया, संबंधित जमीन सरकारी है। इसे बेचा नहीं जा सकता। पार्थ और उनके साझेदार दिग्विजय पाटिल को इस तथ्य की जानकारी नहीं थी। पंजीकरण कैसे हुआ? इसका जिम्मेदार कौन है? ऐसे तमाम सवालों का जवाब तलाशने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खड़गे की अगुवाई में जांच समिति बनाई गई है। वह एक महीने में अपनी रिपोर्ट सौंप देंगे।

दलितों के लिये आरक्षित भूमि कौड़ियों के भाव मंत्री पुत्र को दी- राहुल गांधी

- **उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के इस मामले में प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं**
- **राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि दलितों के लिये आरक्षित 1800 करोड़ रुपये की सरकारी भूमि मंत्री के बेटे की कम्पनी को 300 करोड़ रुपए में बेच दी गई।**

नयी दिल्ली, 07 नवंबर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को दलित विरोधी करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला किया और कहा कि महाराष्ट्र के एक प्रभावशाली मंत्री के बेटे को दलितों के लिए आरक्षित सरकारी जमीन कौड़ियों के भाव बेच दी जाती है, लेकिन मोदी इस पर कुछ नहीं बोलते।

उन्होंने कहा कि इस जमीन की कीमत 1800 करोड़ रुपए से अधिक है, लेकिन राज्य सरकार के प्रभावशाली मंत्री के बेटे को कंपनी चलाने के लिए सरकार ने यह जमीन महज 300 करोड़ रुपए में बेच दी और स्टाम्प ड्यूटी में छूट भी दे दी। आश्चर्य की बात यह है कि खुद को दलितों का हितैषी बताने वाले प्रधानमंत्री मोदी इस बारे में मौन साधे हुये हैं। गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा कि महाराष्ट्र में दलितों के लिए आरक्षित 1800 करोड़ रुपए की सरकारी ज़मीन सिर्फ़ 300 करोड़ रुपए में मंत्री जी के बेटे की कंपनी को बेच दी गई है। ऊपर से स्टाम्प ड्यूटी भी हटा दी। मतलब एक तो लूट और उस पर कानूनी मुहर में भी छूट। उन्होंने ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि वे लुटेरों की लूट पर मौन हैं, क्योंकि वे ही उनकी सरकार का आधार हैं। उन्होंने कहा "मोदी जी, आपकी चुप्पी बहुत कुछ कहती है - क्या आप इसीलिए खामोश हैं, क्योंकि आपकी सरकार उन्हीं लुटेरों पर टिकी है, जो दलितों और वंचितों का हक़ हड़पते हैं।"

तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली से उड़ानों में देरी

नयी दिल्ली, 07 नवंबर। स्वचालित संदेश स्विचिंग सिस्टम (एएमएसएस) में तकनीकी खराबी आने के कारण राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) और उत्तर भारत के कई अन्य स्थानों पर उड़ानों में देरी हो रही है।

एएमएसएस एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) डेटा का समर्थन करता है। विमानन कंपनी इंडिगो ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, "एएमएसएस में तकनीकी समस्या के कारण, दिल्ली हवाई अड्डे और उत्तरी क्षेत्र के कुछ अन्य हवाई अड्डों पर सभी एयरलाइनों की उड़ानें इस समय देरी का सामना कर रही हैं।" भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) ने भी इस व्यवधान की पुष्टि की है।

मानेसर भूमि घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा की मुश्किलें बढ़ीं

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर सीबीआई का रास्ता खोला

- **सीबीआई का आरोप है कि मानेसर के आसपास के गांवों में किसानों से सस्ते दाम से भूमि अधिग्रहित की गई। बाद में निजी बिल्डरों को रियायती दामों पर लाइसेंस जारी किये गये।**

चंडीगढ़ , 07 नवंबर। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को मानेसर भूमि घोटाला मामले में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान उनकी याचिका खारिज कर दी, जिससे पंचकूला स्थित केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत में अब आरोप तय करने की प्रक्रिया का रास्ता साफ हो गया है।

उच्च न्यायालय से राहत न मिलने के बाद, अब सीबीआई की विशेष अदालत हुड्डा और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करेगी और मुकदमे की औपचारिक कार्यवाही शुरू होगी। सीबीआई पहले ही इस मामले में आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री सहित कई लोगों पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। गौरतलब है कि 2007 में भूमि अधिग्रहण से जुड़ा यह मामला उच्चतम न्यायालय के आदेश पर सीबीआई को सौंपा गया था। शीर्ष अदालत ने तत्कालीन हुड्डा सरकार द्वारा अधिग्रहण प्रक्रिया रद्द करने के फैसले को दुर्भावनापूर्ण बताते हुए इसे धोखाधड़ी की श्रेणी में रखा था। अदालत ने सीबीआई को बिचौलियों द्वारा कमाए गए अवैध लाभ की जांच करने और सार्वजनिक धन की वसूली के निर्देश दिए थे। सीबीआई ने सितंबर 2015 में जांच शुरू की थी और 2018 में हुड्डा समेत 34 आरोपियों के खिलाफ लगभग 80,000 पन्नों का आरोप पत्र दाखिल किया था। एजेंसी ने आरोप लगाया कि गुरुग्राम जिले के मानेसर और आसपास के गांवों में किसानों से सस्ते दामों पर जमीन अधिग्रहित की गई और बाद में निजी बिल्डरों और रियल एस्टेट कंपनियों को रियायती दरों पर लाइसेंस जारी किए गए।

'उन्नीस सौ सैंतीस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि आरएसएस और भाजपा ने न तो यह गीत कभी गाया, न ही स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। अक्टूबर 1937 में कांग्रेस ने गीत के केवल पहले दो पदों को अपनाने का फैसला किया था, जिनमें शेष पदों की तरह देवी-देवताओं का धार्मिक चित्रण नहीं था। बाकी पदों में भारत माता को हिंदू देवियों, दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती के रूप में चित्रित किया गया था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी. आर. केशवन ने नेहरू द्वारा सुभाषचंद्र बोस को लिखे 1937 के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि नेहरू ने लिखा था-यह गीत "मुसलमानों को नाराज़ कर सकता है"। केशवन का कहना था कि नेहरू का यह दृष्टिकोण एक "ऐतिहासिक भूल" थी, जिसने गीत के राष्ट्रीय प्रतीकवाद को कमजोर किया। "वंदे मातरम्" का विवाद पहले भी कई बार भड़क चुका है, खासकर राजस्थान और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में, जहां स्कूलों और मदरसों में इस गीत के गायन को अनिवार्य करने के सरकारी आदेशों का मुस्लिम संगठनों ने विरोध किया था। यह गीत पहली बार 1882 में बंकिमचंद्र चटर्जी के उपन्यास "आनंद मठ" में सामने आया था।

राजकॉम्प ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खरीद व रखरखाव के लिए उदयपुर जिले का टेंडर एक फर्म को दिया गया। इस कंपनी ने डी.एस.ओ. के फर्जी साइन कर कार्य संपूर्णता का प्रमाण पत्र पेश कर सालों तक करोडों रुपए का भुगतान उठाया। आरटीआई में मिली जानकारी के अनुसार डी.एस.ओ. ने ऐसा कोई प्रमाण पत्र ही जारी नहीं किया था। इसी तरह टोंक में भी फर्जीवाड़ा कर भुगतान उठाया गया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता संस्था के सदस्य टीएन शर्मा ने एसीबी में इसकी कई बार शिकायत की, लेकिन एसीबी ने धारा 17-ए के तहत जांच की स्वीकृति के लिए मामला भेज दिया। जबकि नीतिगत निर्णय से जुड़े मामले में ही इस धारा के प्रावधान लागू होते हैं। मामले पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

अधिकतर देश के इकॉनमिस्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तो देख रहे हैं, लेकिन कोई स्थाई बदलाव नहीं।"

एसबीआई का अपना मजबूत प्रदर्शन, जो स्वस्थ ऋण वृद्धि और स्थिर परिसंपत्ति गुणवत्ता, (स्टेबल एसैट क्वालिटी) में परिलक्षित होता है, एक और चिंता को छुपाता है: ये है असुरक्षित ऋणों में तेजी से हो रही बढ़ोतरी। खुदरा और व्यक्तिगत ऋण में तेज वृद्धि को देखते हुए नियामक पहले ही संभावित जोखिमों पर चेतावनी दे चुके हैं। अगर रोजगार सृजन धीमा हुआ या ब्याज दरें अप्रत्याशित रूप से बढ़ीं, तो इससे परिवारों की वित्तीय स्थिति पर असर पड़ेगा और बैंकों को नए जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

बाहरी मोर्चे पर भी माहौल चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। कमोडिटी बाज़ार अस्थिर हैं, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है और वैश्विक व्यापार अभी भी पूरी तरह स्थिर नहीं हुआ है। आईएमएफ की ताज़ा रिपोर्ट में कहा गया है कि विकसित देशों में वृद्धि असमान है, जबकि चीन की मंदी और व्यापारिक बदलावों का असर भारत जैसे उभरते देशों पर पड़ सकता है। शेट्टी ने इन जोखिमों को स्वीकार करते हुए कहा कि नीति निर्माताओं को अल्पकालिक प्रोत्साहन की बजाय स्थिरता और दीर्घकालिक टिकाऊ विकास पर ध्यान देना चाहिए। हालांकि आलोचकों का कहना है कि 2026 के आम चुनावों से पहले राजकोषीय अनुशासन और ढांचागत सुधारों की गति धीमी पड़ गई है।

हालांकि महंगाई में कमी आई है, लेकिन अभी भी आरामदायक स्तर से ऊपर बनी हुई है, खासकर खाद्य और सेवाओं के क्षेत्र में। मुख्य महंगाई के दबाव में कमी आई है, लेकिन आम परिवार अभी भी खाद्य वस्तुओं, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ी हुई कीमतों से परेशान हैं। आम भारतीयों के लिए अर्थव्यवस्था की मजबूती का मतलब कई बार बढ़ती लागत, और स्थिर वेतन से होता है, एक ऐसा अंतर जिसे केवल आंकड़ों से नहीं छिपाया जा सकता।

आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर का कहना है, "भारत की विकास कहानी तुलनात्मक रूप से प्रभावशाली है, लेकिन इसके लाभ समान रूप से नहीं बंटे हैं। जब तक ग्रामीण मांग और वास्तविक वेतन में सुधार नहीं होता, तब तक जीडीपी के ऊंचे आंकड़े वास्तविक आर्थिक ताकत को पूरी तरह नहीं दिखा पाएंगे।"

शेट्टी ने दीर्घकालिक स्थिरता, हरित वित्त और जलवायु लचीलेपन की जरूरत पर जोर दिया, लेकिन यहां भी प्रगति असमान रही है। तमाम घोषणाओं के बावजूद भारत की हरित अर्थव्यवस्था में निवेश अभी भी सीमित है, और बैंकों ने नए ऋणों में से केवल 5 प्रतिशत से भी कम राशि पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ क्षेत्रों को दी है।

शेट्टी का सतर्क आशावाद निराधार नहीं है, लेकिन यह कुछ अहम असंतुलनों को नजरअंदाज करता है। भारत की वृद्धि भले ही तुलनात्मक रूप से मजबूत हो, पर यह अभी व्यापक, समावेशी या झटकों से मुक्त नहीं है। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी के शब्दों में, भारत तेज़ दौड़ रहा है, लेकिन शायद अपनी ही विसंगतियों के बोझ से पूरी तरह आगे नहीं निकल पा रहा।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908